संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-135 ■ रायपुर, सोमवार 12 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



वारः सोमवार
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
मास/पक्षः आश्विन मास, शुक्ल पक्ष
तिथिः द्वितीया तिथि
नक्षत्रः स्वाति नक्षत्र
योगः विष्कुम्भ योग
करणः बालव करण
चंद्र राशिः तुला राशि
सूर्योदयः 06:20
सूर्यास्तः 05:55
राहुकालः सुबह 07:47 से 09:19 तक
अभिजीत मुहूर्तः 11:44 से 12:31

फ्लाइट में निकला धुआं, हैदराबाद में करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट को रविवार को विमान में धुआं निकलने की घटना के बाद हैदराबाद डायवर्ट कर दिया गया। विमान के ओवरहेड बिन में रखे एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से धुआं निकलने का पता चला था। इसके बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। एयरलाइन इंडिगो के मुताबिक, फ्लाइट संख्या-6E 6115 रविवार, 11 अक्टूबर 2026 को दिल्ली से चेन्नई के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के दौरान केबिन में यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से धुआं निकलने का पता चला। इंडिगो ने अपने बयान में कहा कि केबिन क्रू ने तुरंत कार्रवाई की और स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। स्थापित सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत पायलटों ने विमान को हैदराबाद डायवर्ट करने का फैसला किया। इसके बाद विमान ने हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग की। एयरलाइन ने बताया कि चालक दल ने निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए स्थिति को संभाला।

पिता की डांट से नाराज छात्र ने की आत्महत्या

गाजियाबादः जिले के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनावनी स्थित चमन कॉलोनी में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शनिवार देर शाम 14 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान दीपांशु पुत्र कल्याण सिंह के रूप में हुई है। वह अमरपाली स्कूल में कक्षा 10 का छात्र था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि शनिवार को स्कूल में आयोजित पीटीएम के दौरान कम नंबरों को लेकर पिता ने उसे डांट दिया था। हालांकि, पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, दीपांशु अपने परिवार के साथ चमन कॉलोनी में रहता था। परिवार में माता-पिता और एक भाई हैं। बताया गया है कि शनिवार को स्कूल में पीटीएम आयोजित की गई थी। इस दौरान नंबरों को लेकर पिता ने दीपांशु को डांट दिया था। इसके बाद वह नाराज हो गया। शनिवार रात करीब आठ बजे उसने घर में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर इंदिरापुरम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छत्तीसगढ़ मंत्री परिषद ने पारित किया पीएम मोदी का अभिनंदन प्रस्ताव

सीएम साय ने गिनाई 25 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में हुई मंत्री परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया. मंत्री परिषद की बैठक के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मीडिया से चर्चा में प्रस्ताव की जानकारी देते हुए नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के साथ-साथ मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यकाल के 25 साल की उपलब्धियां गिनाई.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा के साथ मीडिया से चर्चा कहा कि आज छत्तीसगढ़ के मंत्री परिषद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया है. छत्तीसगढ़ के 3 करोड़ जनता के तरफ से हम पीएम मोदी का अभिनंदन करते हैं. उनके दीर्घायु की कामना करते हैं. वो स्वस्थ्य रहे और लंबे समय तक देश की सेवा करे. ऐसा हमने मंत्री परिषद में प्रस्ताव पारित किया है.

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री का दायित्व नरेंद्र मोदी ने संभाला था. नरेंद्र मोदी लगातार तेरह साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे है. गुजरात विकास का मॉडल देशभर में स्थापित किया है. नरेंद्र मोदी चौदह वर्षों से लगातार देश के प्रधानमंत्री के रूप में सेवा कर रहे है.

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नए भारत समृद्ध भारत



और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है. उन्होंने अपनी दूर दृष्टि, परिश्रम, और मेहनत का फल है कि भारत इतना आगे बढ़ चुका है. इस देश को आर्थिक रूप से पूरे दुनिया में तीसरे स्थान पर खड़ा करने का संकल्प लिया हुआ है.

साय ने कहा कि दुश्मनों को घर में घुसकर मारने वाला नया भारत मोदी के नेतृत्व में बना है. छत्तीसगढ़ के विकास में नक्सलवाद रोड़ा था, नासूर था. लेकिन डबल इंजन की सरकार बनी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नई रणनीति के साथ कार्य कर नक्सलवाद के ख़िलाफ लड़ाई लड़कर नक्सलवाद को जड़ से समाप्त किया गया है. हमारी अच्छी पुनर्वास नीति के कारण 4,000 से ज्यादा नक्सली आत्म संपर्पण कर मुख्य धारा से जुड़े है. उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कर को बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है. जिससे अब राज्य के विकास के लिए ज्यादा केंद्रीय कर मिलता है.नरेंद्र मोदी का जीवन गरीबो की सेवा के लिए समर्पित रहा है. जिसके बाद पक्का मकान, बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को गरीबो तक पहुँचाया गया है. हमारे देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि हम दिल्ली से विकास के लिए 100 रुपए भेजते है, लेकिन राज्यों तक आते-आते वो पैसा 15 रुपए में बदल जाता है. बाक़ी पैसों को दबा दिया जाता है.

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान को ख़त्म किया है. जम्मू कश्मीर से धारा 370 को शांतिपूर्ण ढंग से हटाया गया है. मुस्लिम बहनों के तीन तालक को समाप्त किया गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश का विकास हो रहा है. हमारे राज्य के लिए 3 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास दिया गया है. प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना लाई गाई है. नेशनल हाइवे के क्षेत्र में भी बड़ा विकास हुआ है. रायपुर से धनबाद 6 लेन हाईवे बन रहा है.

चेन्नई में पीएम मोदी ने मेट्रो में किया सफर, सीएम विजय बने 'हमसफर'

चेन्नई ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु के दौरे पर हैं। चेन्नई में प्रधानमंत्री ने मेट्रो की नई लाइन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही वह राज्य को 13 हजार करोड़ से ज्यादा की कई विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। नवरात्रि के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी जलाकंडेश्वर मंदिर में दर्शन और पूजा पाठ करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने चेन्नई मेट्रो के द्वितीय चरण के तहत पूनमल्ली से वडापलानी के बीच 14.6 किलोमीटर लंबे मार्ग का उद्घाटन किया। दरअसल,



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चेन्नई मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के पूनामल्ली-वडापलानी रूट का उद्घाटन किया। लगभग 4,900 करोड़ रुपये की लागत से बने इस रूट पर उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साथ सफर भी किया।

सरकारें बदलीं, लेकिन तमिलनाडु के विकास का मेरा संकल्प नहीं : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेन्नई में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं और नई परियोजनाओं की आधारशिला रख रहे हैं। कुछ परियोजनाएं रोज़ाना के सफर को आसान बनाएंगी; तो कुछ उद्योग और व्यापार को मज़बूत करेंगी। ये सभी मिलकर पूरे तमिलनाडु में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी। इस मौके पर पीएम मोदी ने तमिलनाडु के विभिन्न मुख्यमंत्रियों के साथ अपने कार्यकाल के अनुभव शेयर किए। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री के रूप में मुझे करुणानिधि और जयललिता के साथ संवाद करने के कई अवसर मिले। प्रधानमंत्री बनने के बाद जयललिता, ओ. पन्नीरसेल्वम, ई. पलानीस्वामी और एम.के. स्टालिन के साथ काम करने का अवसर मिला। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन तमिलनाडु के विकास और यहां की जनता की सेवा करने का मेरा संकल्प हमेशा कायम रहा है। अब मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के साथ हम इस यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले ही उन्होंने देशवासियों के आशीर्वाद और प्रेम से सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे किए हैं। अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद से जनता ने उन्हें मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों के इस सफर में लोकतंत्र की दो प्रमुख शक्तियों- देश की जनता और सहकारी संघवाद में उनका विश्वास लगातार मजबूत हुआ है।

दिल्ली प्रोस्टेट मामले में सुको के अहम निर्देश

प्रदर्शन भी होगा, आवाजाही भी चलेगी!

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली में प्रदर्शनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नागरिकों को नियमों के तहत विरोध करने का अधिकार है। अदालत ने निर्देश दिया कि लोगों की आवाजाही और इंटरनेट सेवाएं रोकी नहीं जानी चाहिए तथा मेट्रो का संचालन पूरी तरह बंद न किया जाए। इस मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी।

दिल्ली में प्रदर्शन को लेकर पुलिस के खिलाफ दायर दो याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने साफ कहा कि शहर में लोगों की आवाजाही नहीं रोकी जानी चाहिए और इंटरनेट सेवाएं चालू रहनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि मेट्रो और ट्रेनों को नियंत्रित तरीके से चलाया जा सकता है, लेकिन उनका संचालन पूरी तरह बंद नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस जयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि 9 अक्टूबर के आदेश में अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए थे। अदालत ने यह भी कहा कि लोगों को विरोध-प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए पुलिस के बनाए नियमों का पालन करना होगा।

प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन नियमों का पालन भी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि असली सवाल यह है कि पुलिस की ओर से लगाए गए प्रतिबंध संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत किस हद तक सही हैं। अदालत ने कहा, "आपको विरोध-प्रदर्शन करने का अधिकार है, इस पर कोई विवाद नहीं है। लेकिन प्रदर्शन करने का तरीका पुलिस एक्ट के दायरे में होना चाहिए। आप यह नहीं कह सकते कि प्रदर्शन करने का आपका अधिकार पुलिस एक्ट से ऊपर है।" सुनवाई के दौरान अदालत ने कुछ अंतरिम निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि कानून के मुताबिक



शहर में लोगों की आवाजाही जारी रहनी चाहिए। कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बैरिकेड लगाने की जरूरत की दोबारा जांच की जानी चाहिए।

अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि इंटरनेट सेवाएं बिना रुकावट जारी रहें। कोर्ट ने कहा, "शहर में लोगों की आवाजाही कानून के मुताबिक जारी रहनी चाहिए। शांतिपूर्ण और निहत्थे लोगों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में नहीं रखा जाना चाहिए, खासकर उस इलाके के बाहर जहां भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू है।"अदालत को बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के आसपास भी धारा 163 के तहत रोक लगाई गई है। इस पर कोर्ट ने अधिकारियों को यह रोक हटाने का निर्देश दिया, ताकि लोगों को सुप्रीम कोर्ट आने-जाने और न्याय पाने में कोई परेशानी न हो। इस मामले में दो याचिकाएं दायर की गई थीं। पहली याचिका वकील शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने दाखिल की थी। इसमें केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के अध्यक्ष डी. थारा के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई है।

रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच हुआ एनर्जी सीजफायर, दोनों पक्ष सहमत : डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने'ट्रुथ सोशल' हैंडल पर पोस्ट किया, "अभी से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में एनर्जी सीजफायर (ऊर्जा के मामले में युद्ध-विराम) लागू हो गया है। दोनों पक्ष इस पर सहमत हो गए हैं। इसे न तोड़ें! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।" एनर्जी सीजफायर का मतलब ये है कि रूस और यूक्रेन के बीच एक सीमित, आपसी समझौता हुआ है,



जिसके तहत दोनों देश, एक-दूसरे के ऊर्जा संबंधी बुनियादी ढांचे पर हमले नहीं करेंगे। यह पूरी तरह से युद्धविराम नहीं है, सिर्फ ऊर्जा क्षेत्र तक ही सीमित मामला है। अगर सरल भाषा में समझें तो इसका सीधा मतलब ये है कि यूक्रेन की तरफ से रूस की तेल रिफाइनरियों, तेल भंडारण, गैस सुविधाओं और अन्य ऊर्जा निर्यात संबंधी ठिकानों पर ड्रोन/मिसाइल हमले नहीं होंगे। वहीं रूस की तरफ से यूक्रेन की बिजली ग्रिड, पावर प्लांट, हीटिंग सिस्टम, सबस्टेशन, पेट्रोल पंप और अन्य ऊर्जा सुविधाओं पर हमले बंद कर दिए जाएंगे। चूंकि ये पूरी तरह युद्धविराम नहीं है, इसलिए ये नहीं कहा जा सकता है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम हुआ है। इसके विपरीत ये कहा जा सकता है कि रूस और यूक्रेन के बीच एनर्जी सीजफायर यानी ऊर्जा मामलों में युद्धविराम हुआ है।

महिला प्रोटेस्टर्स से निपटने के लिए सख्त इंतजाम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

SIR और CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर जारी संग्राम दिल्ली की सड़कों पर थमा नहीं है। आज एक बार फिर कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर-मंतर कूच का ऐलान किया और CJP के साथ AAP, AISA, SFI के लोग भी प्रोटेस्ट में शामिल हुए। अरविंद केजरीवाल ने देश के लोगों से शहर-शहर जंतर-मंतर बनाने का ऐलान किया।

हालांकि CJP के आज फिर जंतर-मंतर कूच ऐलान के बाद सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता कर दी गई। जंतर-मंतर पर 7 लेयर की



दिल्ली, हरियाणा और यूपी पुलिस की महिलाकर्मियों को बुलाया गया

बैरिकेडिंग की गई, साथ ही जंतर-मंतर जाने वाले सभी रास्तों को सील किया गया। CCTV कैमरों से पूरे इलाके की निगरानी की जा रही है। पुलिस लगातार रिकॉर्डेड माइक से लोगों को अलर्ट कर रही है। इलाके में धारा 163 लागू है। दिल्ली से सभी बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। बाहर से आने वाली गाड़ियों की चेकिंग हो रही है। दिल्ली पुलिस ने सेंट्रल और लुटियंस जोन के लिए एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली में आज भी 30 रूट पर ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा। परिस्थिति के मुताबिक डायवर्जन लागू किया जाएगा। जंतर-मंतर, कनॉट प्लेस में ट्रैफिक पर असर संभव दिख सकता है। मंडी हाउस, धौला कुआं, ITO में भी ट्रैफिक पर असर संभव है। SFI के झंडा प्रोटेस्ट को देखते हुए राजीव चौक के गेट नंबर सात के मेट्रो स्टेशन पर सीआईएसएफ की सुरक्षा को बढ़ाया गया है।

एक ही परिवार के 2 लोगों की मौत

सड़क किनारे बेटे और घर में मां की संदिग्ध परिस्थितियों में मिली लाश

सूरजपुर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मां और बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है. पहले बेटे का शव सड़क किनारे मिला और फिर देर शाम घर के बंद कमरे में शिक्षिका मां का शव मिलने से कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. दोनों शुक्रवार से ही लापता बताए जा रहे थे.

मामले शनिवार का है, महावीरपुर कालीघाट रोड के पास मुख्य मार्ग से



करीब 25 मीटर की दूरी पर एक छात्र का शव संदिग्ध हालत में बरामद किया गया. राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त शुरू की. मृतक की पहचान केशवनगर निवासी सजल बरेठ (18 साल) के रूप में हुई. पुलिस ने युवक की स्कूटी केशवनगर में नायरा पेट्रोल पंप के पास बरामद की है. क्षेत्र में युवक की मौत की खबर से मातम पसरा ही था कि शाम होते-होते इस घटनाक्रम में एक और रूह कंपा देने वाला मोड़ आ गया.

केशवनगर में छत्तीसगढ़ ढाबा के पीछे ममता कॉलोनी में किराए के मकान में रहते थे. शनिवार देर शाम जब घर की पड़ताल की गई, तो वहां एक बंद कमरे के भीतर उसकी मां रजनी बरेठ का शव मिला. मृतिका बेलटिकरी विद्यालय में शिक्षिका के रूप में कार्यरत थीं. वहीं महिला का अपने पति से तलाक हो चुका था. शुक्रवार से लापता मां-बेटे के शव अलग-अलग स्थानों पर मिलने की खबर फैलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया.

घटना की गंभीरता को देखते हुए जयनगर थाना पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम तत्काल मौके पर पहुंची. फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल और बंद कमरे से फिंगरप्रिंट्स के साथ अन्य भौतिक साक्ष्य जुटाए हैं. युवक से शरीर पर चोट के निशान मिले हैं. मामले की सूचना मिलते ही प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी तथा महिला और मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े भी घटनास्थल पर पहुंचे.

आरक्षक की पत्थलगांव में पेड़ पर लटकी मिली लाश, पुलिस कर रही जांच

कोरबा. कोरबा एसपी कार्यालय में पदस्थ आरक्षक की जशपुर जिले के पत्थलगांव में लाश पेड़ पर लटकी हुई मिली है. मृतक की पहचान नरहरि पटेल के रूप में हुई है. घटना के बाद महकमे में हड़कंप मच गया है. पत्थलगांव थाना पुलिस ने फोन कर कोरबा पुलिस को दी है. जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गए हैं. फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है. पेड़ पर सफेद रंग की चुन्नी से के फंदे से शव लटका हुआ था. शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का होना प्रतीत हो रहा है. पत्थलगांव निवासी आरक्षक नरहरि पटेल कोरबा एसपी कार्यालय स्टेनो शाखा में तैनात थे. आरक्षक आत्मघाती कदम के पीछे क्या वजह थी, इसका पता लगाने के पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. वहीं वह कोरबा से पत्थलगांव कब और किस वजह से गया था, इसकी भी जानकारी सामने नहीं आई है. मृतक 38 वर्षीय नरहरि पटेल साल 2013 में पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे. बताया जा रहा है कि वर्तमान में उनकी तैनाती सिविल लाइन रामपुर में थी. यहां वह 27 सितंबर 2023 से पोस्टेड थे।

नाना पाटेकर की चॉल में रहने वाली मुंहबोली बहन, जिसे भेजते थे कमाई का 10 फीसदी हिस्सा, स्टार बनी बेटी



मुंबई (एजेंसी)। नाना पाटेकर का गुरुवार, 8 अक्टूबर को कार्डियक अरेस्ट के चलते निधन हो गया। जैसे ही उनके निधन की खबर आई, जहां कई लोग स्तब्ध रह गए तो कई के लिए ये मानना बेहद मुश्किल था कि कल तक एक दम फिट नजर आ रहे नाना अब इस दुनिया में नहीं रहे। निधन से चार दिन पहले ही नाना पाटेकर एक इवेंट में शामिल हुए थे, इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसी बातें कही थीं, जिसे सुनकर उनके फैंस भावुक हो गए। अब भी उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बीच टीवी एक्ट्रेस साई देवधर ने भी नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया है और साथ ही उनसे अपने परिवार के करीबी और भावनात्मक रिश्ते के बारे में भी बात की। साई ने बताया कि नाना पाटेकर उनकी मां के मुंहबोले भाई थी।

नाना पाटेकर से साई देवधर का था गहरा नाता

साई देवधर ने टेली टॉक इंडिया से बातचीत के दौरान कहा- 'मुझे अब तक यकीन नहीं हो पा रहा है कि वो इस दुनिया में नहीं रहे। मेरी मां की उनसे चार दिन पहले ही बात हुई थी। वह हमारे परिवार के बेहद करीब थे। मैं उन्हें अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के चलते कॉल करने वाली थी और उन्हें आज बुलाने वाली थी। लेकिन, ये खबर आ गई। वह मेरे मामा थे, मेरे मुंहबोले मामा। वह मेरे माता-पिता के उस वक्त से दोस्त थे, जब वह स्टार नहीं बने थे। मैं जब छोटी थी तो वो अक्सर घर आते थे और फिर हमें खाना खाने या आइसक्रीम खिलाने के लिए बाहर ले जाते थे।'

साई ने सुनाया नाना पाटेकर से जुड़ा अनसुना किस्सा

इसी बातचीत के दौरान साई ने नाना पाटेकर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया। उन्होंने कहा- 'एक दिन हम आइक्रीम खाने गए थे। नाना काका को लगा कि मेरे पिता के पास पैसे हैं और पापा को लगा कि उनके पास पैसे हैं। लेकिन जैसे ही हम आइसक्रीम खाने पहुंचे, हममें से किसी के पास पैसे नहीं थे।

मेरे माता-पिता उनकी फिल्म 'प्रहार' से जुड़े थे। उनकी फिल्म 'प्रहार' से भी मेरे माता-पिता जुड़े थे और मैंने भी उस फिल्म में काम किया था। मैंने भी उस फिल्म में काम किया था। मैंने डिंपल की बेटी का किरदार निभाया था। फिल्म के दौरान मेरे माता-पिता और नाना काका अक्सर साथ समय बिताते थे और वो उनके सबसे करीबी दोस्त थे। इसलिए उनका घर आना-जाना था। मेरे पिता नाना काका के दाहिने हाथ जैसे थे।'

साई के माता-पिता की आर्थिक मदद की

साई ने बताया कि नाना पाटेकर उनके माता-पिता की आर्थिक मदद भी करते थे। वह कहती हैं- 'वह बहुत साफ और सच्चे इंसान थे। कभी-कभी बच्चों के जैसे अचानक गुस्सा हो जाते थे।

मेरे माता-पिता एक चॉल में रहते थे, नाना काका मेरी मां को बहन मानते थे और अपनी कमाई का 10 फीसदी हिस्सा उन्हें देते थे। उन्होंने जो चीजें हमारे लिए कीं, उसकी कीमत नहीं लगाई जा सकती। मैं और मल्हार साथ-साथ ही बड़े हुए हैं। वह किसी को परेशान करके नहीं जाना चाहते थे। हमेशा कहते थे कि मैं जब जाऊंगा तो ऐसे जाऊंगा। भगवान ने भी उनकी गरिमा बनाए रखी।'

नीता अंबानी संग रणवीर सिंह ने जमकर किया गरबा



मुंबई (एजेंसी)। अंबानी परिवार ने 'स्वदेश' की पहली सालगिरह एक इवेंट के तौर पर मनाई, जिसमें कई जाने-माने चेहरे शामिल हुए।

इस जश्न की शाम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें नीता अंबानी अपनी बेटी ईशा और रणवीर सिंह के साथ गरबा करते दिख रही हैं। दो बेटियों के सुपरस्टार पिता रणवीर सिंह 'धुरंधर 2' की रिलीज के बाद से ही बहुत कम पब्लिक में नजर आए हैं। हालांकि, शनिवार शाम 10 अक्टूबर को रणवीर मुंबई में 'स्वदेश इरोस' की पहली सालगिरह के जश्न में शामिल हुए। रिलायंस फाउंडेशन के इस खास आर्ट और क्राफ्ट स्टोर ने नवरात्रि की एक रात पहले देवी शक्ति का सम्मान करते हुए एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसकी मेजबानी नीता अंबानी ने की।

अब इस जश्न का एक इनसाइड वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें रणवीर सिंह और नीता अंबानी साथ में गरबा करते हुए नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में रणवीर नवरात्रि के जश्न में जमकर गरबा करते नजर आ रहे हैं। वहीं नीता अंबानी भी उनके साथ इस उत्सव का आनंद लेती दिखीं। उनके खुशमिजाज पलों ने फैंस का ध्यान खींचा है, क्योंकि नौ दिन तक चलने वाला यह त्योहार रविवार 11 अक्टूबर को शुरू हुआ और मंगलवार 20 अक्टूबर को दशहरा के साथ इसका समापन होगा।

दीपिका पादुकोण के साथ अपनी अपनी दूसरी बेटी का स्वागत करने वाले एक्टर रणवीर ने गुलाबी एथनिक कपड़ों में शानदार एंट्री की।

दुनियाभर में कब रिलीज होगी 'रामायण पार्ट 1', दशहरे से शुरू होगी एडवांस बुकिंग, राम-रावण की महागाथा देखने को हो जाइए तैयार

मुंबई (एजेंसी)। 'रामायण' के मेकर्स ने घोषणा की है कि इसका पहला पार्ट 5 नवंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगा। अब भारत में इसकी रिलीज और विदेशों में इसकी रिलीज एक ही दिन पर होगी। पहले यह फिल्म भारत में अपनी इंटरनेशनल रिलीज के तीन दिन बाद यानी 8 नवंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली थी। 'रामायण पार्ट 1' के मेकर्स ने 11 अक्टूबर 2026 को नवरात्रि के पहले दिन यह घोषणा की। साथ ही मेकर्स ने एक नया पोस्टर भी जारी किया, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में, साई पल्लवी सीता के रूप में, रवि दुबे लक्ष्मण के रूप में और 'रॉकिंग स्टार' यश रावण के किरदार में नजर आ रहे हैं। हालांकि, नितेश तिवारी की 'रामायण' विदेश में पहले 6 नवंबर को रिलीज होने वाली थी।

'रामायण' के मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है, 'यह राम के युग का आरंभ है' जो फिल्म की रिलीज से जुड़े प्रमोशन कैंपेन की शुरुआत का संकेत है। फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए खुशखबरी यह है कि 'रामायण' का पहला पार्ट भारत और विदेशों में एक ही दिन रिलीज होगा। नए शेड्यूल के साथ अब भारत के दर्शक भी



विदेशों में मौजूद दर्शकों के साथ 5 नवंबर को फिल्म देख सकेंगे।

रामायण पार्ट 1 एडवांस बुकिंग

मेकर्स ने यह भी कन्फर्म किया है कि दशहरा पर एडवांस बुकिंग शुरू हो जाएगी। सोशल मीडिया पर यह घोषणा करते हुए टीम ने लिखा, 'नवरात्रि के शुभ अवसर पर... हम एक नए युग की शुरुआत का जश्न मना रहे हैं। यह राम के युग का आरंभ है। नमित मल्होत्रा की 'रामायण पार्ट 1': 5 नवंबर से दुनिया भर के सिनेमाघरों में सभी प्रीमियम फॉर्मेट में। दशहरा पर एडवांस बुकिंग शुरू होगी।'

रामायण के नए पोस्टर में रणबीर साई, रवि और यश आए नजर

हाल ही में जारी पोस्टर में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे को राम, सीता और लक्ष्मण के रूप में दिखाया गया है, जबकि यश का रावण वाला रूप उन पर हावी दिख रहा है। शानदार कॉस्ट्यूम और भव्य सेट इस दो-भाग वाली महाकाव्य फिल्म के बड़े पैमाने की झलक दिखाते हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' में सनी देओल हनुमान के रूप में, अरुण गोविल दशरथ के रूप में और लारा दत्ता कैकेयी के रूप में नजर आएंगी। रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा की भूमिका में दिखेंगी। इस फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने DNEG और यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

'रामायण पार्ट 1' हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगा और इसे IMAX व अन्य प्रीमियम फॉर्मेट में दिखाया जाएगा।

सेहत

मेमोरी बढ़ाने के लिए किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए?



हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आपने अपने डाइट प्लान पर ध्यान नहीं दिया, तो बुढ़ापे से पहले ही आपकी मेमोरी यानी याददाश्त कमजोर होने लग जाएगी। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खाने-पीने की कुछ चीजें आपकी ब्रेन हेल्थ को सुधारने में कारगर साबित हो सकती हैं। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए इन सुपर फूड्स को सही मात्रा में और सही तरीके से ही डाइट प्लान में शामिल करना जरूरी है।

फायदेमंद साबित हो सकते हैं अखरोट और बादाम- कमजोर हो रही याददाश्त को फिर से मजबूत बनाने के लिए अखरोट का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अखरोट दिमाग के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। ब्रेन हेल्थ के लिए बादाम को भी डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ब्लूबेरी का सेवन करना याददाश्त के लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

मेमोरी बूस्टिंग सुपर फूड्स- ब्रेन हेल्थ को सुधारने के लिए अलसी के बीज को कंज्यूम किया जा सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक हल्दी न केवल फिजिकल हेल्थ पर बल्कि मेंटल हेल्थ पर भी पॉजिटिव असर डाल सकती है। मेमोरी को बूस्ट करने के लिए औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन किया जा सकता है। इसके अलावा कद्दू के बीज भी आपकी ब्रेन हेल्थ को सुधारने में असरदार साबित हो सकते हैं। हालांकि, ध्यान रहे कि आपको लिमिट में रहकर ही इन सुपर फूड्स का सेवन करना चाहिए।

करें ग्रीन लीफी वेजिटेबल्स का सेवन- अगर आप अपनी याददाश्त को सुधारना चाहते हैं, तो आपको हरी पत्तेदार सब्जियों को जरूर खाना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां (जैसे पालक, केल और ब्रोकली) न केवल आपकी ब्रेन हेल्थ के लिए आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती हैं। अगर आप नॉन वेजिटेरियन हैं, तो मेमोरी को बूस्ट करने के लिए फिश और अंडे का सेवन कर सकते हैं।

सेहत के लिए फायदेमंद है स्ट्रॉबेरी



आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भारत में स्ट्रॉबेरी का मौसम नवंबर से शुरू होकर मार्च तक होता है। इस मौसम में आप जब भी फल खरीदने निकलते होंगे, तब आपको किसी न किसी ठेले पर स्ट्रॉबेरी दिख ही जाती होगी। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से पोषक तत्वों से भरपूर इस फल को अपने डाइट प्लान में शामिल करते हैं, तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। आइए जानते हैं कैसे...

कितनी स्ट्रॉबेरी खाएं- एक दिन में 4 से 8 स्ट्रॉबेरी का सेवन किया जा सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन सी से भरपूर स्ट्रॉबेरी को लिमिट में रहकर ही कंज्यूम करना चाहिए वरना सेहत पर पॉजिटिव नहीं, बल्कि नेगेटिव असर पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि अगर आप हर रोज सही मात्रा में इस फल को खाना शुरू करते हैं, तो आपकी सेहत को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

स्ट्रॉबेरी खाने के फायदे- विटामिन सी रिच होने के कारण स्ट्रॉबेरी को इम्यून सिस्टम के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। डायबिटीज पेशेंट्स को भी इस फल का सेवन करने की सलाह दी जाती है। एनीमिया के खतरे को कम करने के लिए भी स्ट्रॉबेरी का सेवन किया जा सकता है। कम कैलोरी और ज्यादा फाइबर वाला ये फल वेट लॉस जर्नी को आसान बनाने में भी असरदार साबित हो सकता है।

दिल और दिमाग के लिए भी फायदेमंद- क्या आप जानते हैं कि स्ट्रॉबेरी आपकी हार्ट हेल्थ पर भी पॉजिटिव असर डाल सकती है? ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए आप भी इस फल का सेवन कर सकते हैं। यानी स्ट्रॉबेरी दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने में कारगर साबित हो सकती है। इतना ही नहीं, पोषक तत्वों से भरपूर स्ट्रॉबेरी खाने से ब्रेन हेल्थ भी इम्प्रूव हो सकती है।

टूथब्रश और टंग क्लीनर को लंबे समय तक इस्तेमाल करने वाले हो जाएं सावधान

रोजमर्रा की जिंदगी में हम खुद की हाइजीन का ध्यान रखने के लिए कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं। जिसमें टूथब्रश और टंग क्लीनर का इस्तेमाल रोजाना किया जाता है। ओरल हेल्थ का ध्यान रखने के लिए रोजाना ब्रश करना जरूरी है। आमतौर पर ये देखने को मिलता है कि टूथब्रश और टंग क्लीनर का इस्तेमाल तब तक किया जाता है जब तक ये खराब नहीं हो जाते। पुराने टूथब्रश और टंग क्लीनर का लेब वक्त तक इस्तेमाल करना आपको बहुत कॉमन लग सकता है। लेकिन यह आपकी ओरल हेल्थ के लिए बिल्कुल सही नहीं है। ज्यादातर लोगों को ये पता नहीं होता है कि टूथब्रश और टंग क्लीनर को कितने दिनों में बदलना चाहिए। यहां इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि टूथब्रथ और टंग क्लीनर को आप कितने दिन में बदलें।

टूथब्रश

आमतौर पर टूथब्रश को हर 3 से 4 महीने में बदल देना चाहिए। हालांकि, कुछ खास स्थितियों में इसे पहले भी बदलना पड़ सकता हैः

ब्रिसल्स का मुड़नाः अगर ब्रश के ब्रिसल्स फैल गए हैं या घिस गए हैं, तो वह दांतों के कोनों को ठीक से साफ नहीं कर पाएगा। ऐसे में उसे तुरंत बदलें।

बीमारी के बादः अगर आपको फ्लू, गले में खराश, या कोई अन्य संक्रमण हुआ है, तो ठीक होने के बाद ब्रश बदल लेना चाहिए ताकि कीटाणु दोबारा शरीर में न पहुंचें।

बच्चों के ब्रशः बच्चे अक्सर ब्रश को चबाते हैं, जिससे वे जल्दी खराब हो जाते हैं। इसलिए उनके ब्रश को हर 1-2 महीने में चेक करते रहें।

टंग क्लीनर

टंग क्लीनर (जीभी) बदलने का समय इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस धातु या सामग्री का बना है।

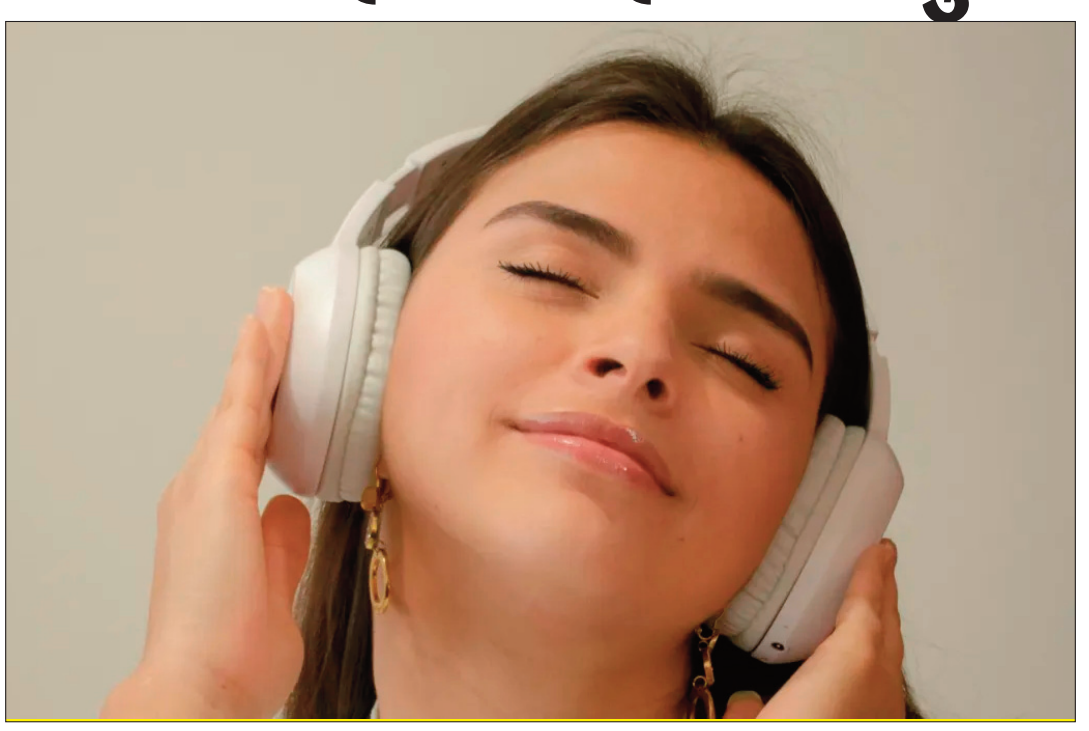
प्लास्टिक टंग क्लीनरः इन्हें हर 3 से 4 महीने में टूथब्रश के साथ ही बदल देना चाहिए। प्लास्टिक पर बैक्टीरिया जल्दी जमा होने लगते हैं और इसमें दरारें भी पड़ सकती हैं।

हेडफोन का ज्यादा इस्तेमाल कानों के लिए है बहुत खतरनाक एक्सपर्ट से जानें हो सकते हैं कौन से नुकसान?

आजकल मोबाइल, लैपटॉप और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते इस्तेमाल के साथ हेडफोन और ईयरफोन हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। गाने सुनना हो, वेब सीरीज देखनी हो या ऑफिस कॉल अधिकतर लोग घंटों तक हेडफोन लगाए रहते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार हेडफोन का अत्यधिक और तेज़ आवाज़ में इस्तेमाल कानों के लिए गंभीर नुकसान का कारण बन सकता है। मेडफर्स्ट ईएनटी सेंटर में कंसल्टेंट डॉ. (मेजर) राजेश भारद्वाज, बता रहे हैं कि हेडफोन का ज्यादा इस्तेमाल करने से कौन सी समस्यांए हो सकती हैं?

सुनने की क्षमता पर पड़ता है असर

हेडफोन का लगातार इस्तेमाल करने से सुनने की क्षमता पर तेजी से असर पड़ता है। लंबे समय तक तेज़ वॉल्यूम में ऑडियो सुनने से कान के अंदर मौजूद संवेदनशील हेयर सेल्स को नुकसान पहुंच सकता है। ये सेल्स दोबारा बनती नहीं हैं, इसलिए एक बार क्षतिग्रस्त होने पर स्थायी सुनने की कमी (हियरिंग लॉस) हो सकती है। कई



मामलों में लोगों को टिनिटस यानी कानों में लगातार सीटी या घंटी बजने जैसी आवाज़ सुनाई देने लगती है।

कान में संक्रमण का खतरा

हेडफोन के लगातार उपयोग से कान में संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है, खासकर तब जब ईयरबड्स को साफ न रखा जाए या उन्हें साझा किया जाए।

लंबे समय तक कान बंद रहने से नमी और बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जिससे खुजली, दर्द और सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर

तेज़ आवाज़ में लगातार कंटेंट सुनने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और नींद की समस्या जैसी शिकायतें सामने आ सकती हैं।

कानों को सुरक्षित रखने के नियम

कानों को सुरक्षित रखने के लिए 60-60 नियम अपनाना फायदेमंद माना जाता है, यानी अधिकतम वॉल्यूम के 60% पर ही सुनें और लगातार 60 मिनट से ज्यादा हेडफोन का इस्तेमाल न करें।

साथ ही, नॉइज़ कैंसिलेशन वाले हेडफोन का उपयोग करें ताकि बाहरी शोर को दबाने के लिए वॉल्यूम बढ़ाने की जरूरत न पड़े। नियमित ब्रेक लेना और कानों की समय-समय पर जांच कराना भी बेहद जरूरी है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

सोमवार 12 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

अवैध रेत उत्खनन : 3 हाईवा, जेसीबी और लोडर सहित 5 वाहन एवं मशीनें जब्त

रायपुर । जांजगीर-चांपा जिले में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार बम्हनीडीह तहसील क्षेत्र में अवैध रेत गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 3 हाईवा, एक जेसीबी और एक लोडर सहित कुल 5 वाहन एवं मशीनें जब्त की गई हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त संदेश गया है। जिला प्रशासन द्वारा रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में लगातार निगरानी और जांच की जा रही है। इसी कड़ी में बम्हनीडीह तहसील क्षेत्र में 10 अक्टूबर को की गई कार्रवाई के दौरान अवैध रेत परिवहन से संबंधित गतिविधियों में संलिप्त पाए गए वाहनों एवं मशीनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार प्रशांत पटेल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। दर्ज प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

स्नेहलता को तीन दिवस में मिला आय प्रमाण पत्र

कोरबा। शासकीय सेवाओं का लाभ सहजता और निर्धारित समय-सीमा में मिलना आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत है। इसी उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिक घर के नजदीक लोक सेवा केंद्र से आवेदन कर आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त कर रहे हैं। डिजिटल व्यवस्था से आवेदन प्रक्रिया सरल होने के साथ समय और आर्थिक व्यय की बचत भी हो रही है।

कोरबा जिले की पाली तहसील अंतर्गत ग्राम नांनबाका निवासी कुमारी स्नेहलता, पिता सूरजभान, को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से महज तीन दिवस के भीतर आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। उन्होंने ग्राम सुतर्रा स्थित लोक सेवा केंद्र में आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। आवश्यक दस्तावेजों एवं पटवारी प्रतिवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनका आवेदन नियमानुसार निराकृत किया गया और उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत तीन दिनों में प्रमाण पत्र मिल गया। स्नेहलता ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आय प्रमाण पत्र बनवाने की पूरी प्रक्रिया सहज रही। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा और न ही शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने पड़े। कम समय में प्रमाण पत्र मिलने से उनका समय और आने-जाने में होने वाला खर्च बचा। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से जरूरी शासकीय सेवाएं प्राप्त करना पहले की अपेक्षा आसान हुआ है। स्नेहलता ने इस सुविधाजनक व्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की ऐसी जनहितैषी पहल से आम नागरिकों को समय पर सेवाएं मिल रही हैं।

शाइनिंग छत्तीसगढ़ 'शक्ति स्वरूपा' कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

महिला सशक्तिकरण से विकसित छत्तीसगढ़ का सपना होगा साकार : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है और महिला सशक्तिकरण विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का मजबूत आधार है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार, उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। हमारा लक्ष्य महिलाओं को केवल शासकीय योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रदेश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर में हिंदी खबर द्वारा आयोजित शाइनिंग छत्तीसगढ़ 'शक्ति स्वरूपा' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली महिलाओं का सम्मान किया और उनसे संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नारी को शक्ति स्वरूपा माना गया है। नवरात्रि मातृशक्ति की आराधना का महापर्व है। हमारी परंपरा में कहा गया है कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने जीवन से जुड़े अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ। बचपन में ही पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने अपनी माता को अनेक कठिनाइयों के बीच परिवार को संभालते और खेती-बाड़ी करते हुए देखा। उनकी माता ने कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों की शिक्षा और संस्कारों में कोई कमी नहीं आने दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां के संघर्ष, सेवाभाव, सनातन मूल्यों के प्रति आस्था और परिवार के प्रति समर्पण ने उनके व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। जनसेवा और जरूरतमंद के प्रति संवेदनशीलता की प्रेरणा उन्हें अपने परिवार और विशेष रूप से अपनी माता से मिली। आज मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व निभाते हुए भी वे उन्हीं संस्कारों को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

महतारी वंदन ने बढ़ाया महिलाओं का आत्मविश्वास और आर्थिक स्वावलंबन

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। योजना के अंतर्गत 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक 32 किस्तों में 20 हजार 700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में सीधे अंतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता की योजना नहीं है। इस राशि ने महिलाओं को अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए आर्थिक स्वतंत्रता देने के साथ परिवार की निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी और आत्मविश्वास को भी मजबूत किया है। महिलाएं इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों, पोषण, घरेलू आवश्यकताओं और बचत जैसे कार्यों में कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि योजना की पात्र कोई भी महिला इसके लाभ से वंचित न रहे। तकनीकी कारणों, दस्तावेजों, आधार अथवा बैंक खाते से जुड़ी त्रुटियों के कारण जिन पात्र महिलाओं को लाभ नहीं मिल पाया है, उनके प्रकरणों का परीक्षण कर आवश्यक समाधान किया जा रहा है।



लक्ष्य से लगभग दोगुनी उपलब्धि, 14 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल देने के साथ उन्हें स्थायी आजीविका और उद्यमिता से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'लखपति दीदी' पहल के अंतर्गत छत्तीसगढ़ ने निर्धारित लक्ष्य से आगे बढ़कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में 7.82 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 14 लाख ग्रामीण महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। प्रदेश की 32.39 लाख ग्रामीण परिवार 2.98 लाख स्व-सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक गतिविधियां संचालित कर रही हैं। इन समूहों की महिलाओं को कृषि आधारित व्यवसाय, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, लघु वनोपज, डेयरी, मशरूम उत्पादन, मिलेट प्रसंस्करण, सिलाई और रेडीमेड वस्त्र निर्माण सहित विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के उत्पादों की गुणवत्ता, बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार तक पहुंच पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं केवल स्वरोजगार से न जुड़ें, बल्कि सफल उद्यमी बनकर दूसरे लोगों को भी रोजगार देने की स्थिति में आएं।

481 महतारी सदन बनेंगे महिला समूहों की गतिविधियों के केंद्र

मुख्यमंत्री ने बताया कि महिला स्व-सहायता समूहों और सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में 481 महतारी सदनों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। ये महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र बनेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से प्रदेश की 39.73 लाख महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। रानी दुर्गावती योजना के लिए 15 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत पात्र बालिकाओं के 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर डेढ़ लाख रुपए की सहायता का प्रावधान है।

बस्तर में लौटी शिक्षा की रोशनी, नक्सल हिंसा से बंद 421 स्कूल फिर खुले

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी बेटी के सपनों की राह में दूरी, गरीबी या असुरक्षा बाधा न बने, इसके लिए सरकार शिक्षा के अवसरों का लगातार विस्तार कर रही है। विशेष रूप से दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में छात्रावासों, आश्रमों, आवासीय विद्यालयों और प्रयास संस्थानों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।उन्होंने कहा कि बस्तर में लंबे समय तक नक्सल हिंसा के कारण अनेक गांवों में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई और स्कूल बंद हो गए थे। शांति और विश्वास की स्थापना के साथ राज्य सरकार ने ऐसे 421 स्कूलों को दोबारा शुरू किया है। वर्षों बाद इन स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल और पढ़ाई की आवाज लौटना बदलते बस्तर की सबसे सुखद तस्वीरों में से एक है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ओरछा और जगरगुंडा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही हैं, ताकि आदिवासी अंचलों के बच्चों, विशेषकर बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अपने परिवार और गांव से बहुत दूर न जाना पड़े।

स्वस्थ महिला से स्वस्थ परिवार और स्वस्थ छत्तीसगढ़ का निर्माण

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिला और बाल स्वास्थ्य को राज्य सरकार ने अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा है। गर्भवती महिलाओं, माताओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य तथा पोषण की बेहतर व्यवस्था के लिए आंगनबाड़ी सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच, बच्चों के पोषण और किशोरियों में एनीमिया की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्रदेश में लगभग 2.49 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 6.21 लाख वय-वंदना कार्ड जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरस्थ जनजातीय अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर सरकार का विशेष ध्यान है। आर्थिक स्थिति अथवा गांव की दूरी किसी महिला के उपचार में बाधा न बने, इसी सोच के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए गांवों में पहुंचे कलेक्टर,चौपाल लगाकर सुनीं मांगें

रायपुर ■ दैनन्दिनी

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दूरस्थ अंचलों के प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री विश्वदीप एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नम्रता चौबे ने ग्राम चिन्नागेलूर भट्टीगुड़ा एवं कोंडापल्ली का दौरा किया। इस दौरान दोनों गांवों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं, मांगों एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली।

कलेक्टर श्री विश्वदीप ने चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों से आत्मीय चर्चा करते हुए गांव में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, शासकीय योजनाओं की पहुंच तथा विभिन्न सेवाओं का लाभ मिलने की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने और समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

चौपाल के दौरान कलेक्टर श्री विश्वदीप ने ग्रामीणों को वीबी रामजी योजना, आयुष्मान भारत योजना, आधार कार्ड, बैंक खाता, श्रम कार्ड, वनाधिकार पट्टा एवं जॉब कार्ड सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि शासन की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार एवं आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रथमेश हॉस्पिटल का किया शुभारंभ

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव हैं। प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी संकल्प के साथ स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने और दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ आज



मध्य भारत के प्रमुख मेडिकल हब के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के देवपुरी में लगभग एक एकड़ क्षेत्र में निर्मित 125 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी प्रथमेश हॉस्पिटल के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने फीता काटकर अस्पताल का शुभारंभ किया और अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह अस्पताल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीज और उसके परिवार को उपचार के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना पड़े तो आर्थिक बोझ के साथ अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जशपुर के सीमावर्ती गांवों में सड़क संपर्क को मिल रही मजबूती

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के दूरस्थ एवं सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को मजबूत करने और आवागमन की सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सिकरिमा से विदुरपुर तक 2.5 किलोमीटर लंबी सड़क का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य 89 लाख 53 हजार रुपये की लागत से पूर्ण कर लिया गया है। सड़क के डामरीकरण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिली है। विशेष रूप से बरसात के दिनों में होने वाली परेशानियां दूर होने के साथ अब ग्रामीणों को बेहतर सड़क सुविधा का लाभ मिलेगा। सिकरिमा से विदुरपुर मार्ग की स्थिति खराब होने के कारण ग्रामीणों को लंबे समय से आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर बारिश के मौसम में सड़क की खराब स्थिति के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती थी। इसका असर विद्यार्थियों, किसानों, मजदूरों और स्वास्थ्य



सेवाओं सहित अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने वाले ग्रामीणों पर पड़ता था। अब सड़क का मरम्मत एवं डामरीकरण कार्य पूर्ण होने से ग्रामीणों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

ओडिशा सीमा से लगे गांवों में सड़क संपर्क हुआ मजबूत

जशपुर जिले का सिकरिमा-विदुरपुर मार्ग ओडिशा राज्य की सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। सड़क के जीर्णोद्धार से सीमावर्ती गांवों का मुख्य मार्गों से संपर्क बेहतर होगा। इससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी।

बेहतर सड़क संपर्क से किसानों को अपनी कृषि उपज बाजार तक पहुंचाने तथा ग्रामीणों को दैनिक जरूरतों के लिए आवागमन करने में भी सहूलियत होगी। इसके साथ ही क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

बरसात में आवागमन की परेशानी से मिलेगी राहत

सिकरिमा से विदुरपुर तक सड़क का डामरीकरण कार्य पूर्ण होने से ग्रामीणों को विशेष रूप से बारिश के मौसम में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। पहले सड़क की खराब स्थिति के कारण दोपहिया और अन्य वाहनों के आवागमन में कठिनाई होती थी। अब सड़क की स्थिति बेहतर होने से विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने, मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने तथा ग्रामीणों को आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन करने में सुविधा होगी।

लंबे समय से प्रतीक्षित सड़क का कार्य पूर्ण होने पर ग्रामीणों में खुशी

सिकरिमा से विदुरपुर तक सड़क का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में प्रसन्नता है। लंबे समय से बेहतर सड़क सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीणों को अब आवागमन में सहूलियत मिलेगी। सड़क के बेहतर होने से गांवों के बीच संपर्क मजबूत हुआ है और दैनिक जरूरतों के लिए आवाजाही आसान होगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के दूरस्थ, ग्रामीण एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सिकरिमा-विदुरपुर मार्ग का जीर्णोद्धार इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे ग्रामीणों के दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ने के साथ सीमावर्ती क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

दुकान का किराया एवं प्रीमियम राशि जमा नहीं करने पर नगर पालिका द्वारा 7 दुकानों को किया गया सील



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद गौरेला द्वारा नगर पालिका की दुकानों के किराये एवं प्रीमियम राशि की वसूली के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में दुकान किराया एवं प्रीमियम राशि जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा कुल 07 दुकानों को सील किया गया है। नगर पालिका परिषद द्वारा संबंधित दुकानदारों को देय राशि जमा करने के लिए नियमानुसार अवसर प्रदान किए जाने के उपरांत बकाया राशि जमा नहीं किए जाने के कारण यह कार्रवाई की गई। नगर पालिका का उद्देश्य निकाय की राजस्व वसूली सुनिश्चित करना तथा शासकीय राजस्व के प्रति उत्तरदायित्व बनाए रखना है।

नगर पालिका परिषद गौरेला द्वारा समस्त दुकानदारों से अपील की जाती है कि वे अपनी दुकानों का बकाया किराया, प्रीमियम राशि एवं अन्य देय राशि समय पर जमा करें, ताकि नियमानुसार की जाने वाली कार्रवाई से बचा जा सके। नगर पालिका परिषद के सीएमओ राजेश गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि निकाय की दुकानों से संबंधित बकाया राशि की वसूली के लिए नियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

:- संपादकीय :-

अब नई बेंच बनेगी

केंद्र ने विधेयक के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे।मार्च 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया तय की। पांच जजों की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी कि ये नियुक्तियां तीन सदस्यीय समिति करेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, भारत के प्रधान न्यायाधीश, एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल रहेंगे। नरेंद्र मोदी सरकार को यह निर्णय पसंद नहीं आया, तो उसने उसी वर्ष दिसंबर में संसद से विधेयक पारित करवा कर समिति की संरचना बदल दी। इसके तहत प्रावधान किया गया कि नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त एक कैबिनेट मंत्री, और नेता विपक्ष रहेंगे। इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, तो न्यायालय ने वह याचिका दो जजों की बेंच को सौंप दी।उस पीठ का बंटा हुआ फैसला बुधवार को आया। एक जज- न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने याचिका में पेश दलील को जायज मानते हुए कहा कि उपरोक्त कानून ने नियुक्ति समिति में सत्ता पक्ष का बहुमत कायम कर दिया है, जिससे वहां नेता विपक्ष की मौजूदगी सजावटी बन भर रह गई है। वे इस तर्क से भी सहमत हुए कि मौजूदा स्वरूप में समिति 'स्वतंत्रइ मालूम नहीं पड़ती। लेकिन दूसरे जज जस्टिस एस.सी. शर्मा ने सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश दलील से सहमति जताई कि इस मामले से महत्त्वपूर्ण कानूनी प्रश्न जुड़े हुए हैं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट की अधिक बड़ी बेंच ही फैसला दे सकती है।तो अब मामला फिर से प्रधान न्यायाधीश के पास चला गया है। वे तय करेंगे कि क्या इस मुद्दे पर फिर से संविधान पीठ बने? केंद्र ने जब विधायी पहल के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा था, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे। इस बीच तमाम चुनाव सरकार के मन-माफिक बने निर्वाचन आयोग की देखरेख में होते रहेंगे। अतः सामान्य स्थितियों में फैसले का इंतजार असहनीय महसूस नहीं होता। लेकिन निर्वाचन आयोग जैसी शिकायतों से घिरता चला गया है, उसको लेकर जैसे संदेह सार्वजनिक दायरे में मौजूद हैं, उन्हें देखते हुए बहुत बड़े जनमत को संभावित देर अंधेर का कारण बनती मालूम पड़ेगी।

अचूक, अभेद्य और सटीक भारतीय वायु सेना: सफलता की ऊंचाइयों को छूते हुए

ललित गर्ग ।

आज भारतीय वायु सेना के सामने चुनौतियाँ शानदार क्षमताओं के बावजूद, भारतीय वायु सेना को ऑपरेशन, स्ट्रक्चर और प्लानिंग से जुड़ी अहम चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों की संख्या में काफी कमी आ रही है। हालाँकि 42 फाइटर स्क्वाड्रन की मंजूरी है, लेकिन अभी संख्या इससे कम है। 2030 के दशक में इनके और कम होने की उम्मीद है क्योंकि मिग-21, मिग-29, जगुआर और मिराज-2000 जैसे पुराने बेड़े तेजी से रिटायर हो रहे हैं और उनकी जगह नए विमान उतनी तेजी से नहीं आ रहे हैं। यह बढ़ता अंतर भविष्य की तैयारी के लिए सेना के आधुनिकीकरण को बहुत जरूरी बनाता है। एयर चीफ मार्शल एयर मार्शल ए.पी. सिंह ने 3 अक्टूबर 2026 को कहा, ₹हमारी संख्या कम है, लेकिन हम कमजोर नहीं हैं,₹ जो भारतीय वायु सेना की मौजूदा स्थिति को दशार्ता है।2021 में ऑर्डर किए गए स्वदेशी तेजस मार्क-1ए का एक स्क्वाड्रन साल के आखिर तक शामिल कर लिया जाएगा। तेजस मार्क-2 की पहली उड़ान सितंबर 2027 तक होने की संभावना है, जबकि आमका (ए एम सी ए) की पहली उड़ान सितंबर 2028 तक होने की उम्मीद है। भारतीय वायु सेना उत्तरी सीमा पर लंबे समय से चल रहे और बहुत अहम सैन्य गतिरोध को संभाल रही



भारतीय वायु सेना 8 अक्टूबर को अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। अमेरिका और रूस के बाद लगातार पांचवें साल दुनिया की तीसरी सबसे ताकतवर वायु सेना बनी आईएएफ के पास 250 से अधिक सुखोई-30एमकेआई और राफेल जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान हैं। वायु सेना अपनी सामरिक ताकत का भव्य फ्लाई-पास्ट इस साल वाराणसी में आयोजित करेगी।

भारतीय वायु सेना (आई. ए. एफ.) आज (8 अक्टूबर, 2026) अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। यह दिन हवाई सुरक्षा, रणनीतिक प्रतिरोध और मानवीय सेवा के लगभग एक सदी के सफल सफर को दशार्ता है।भारतीय वायु सेना दिवस क्यों मनाया जाता हैभारतीय वायु सेना दिवस हर साल 8 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो 1932 में हमारी वायु सेना की आधिकारिक स्थापना की याद दिलाता है। ब्रिटिश शासन के दौरान 'रॉयल इंडियन एयर फोर्स' के रूप में स्थापित, वायु सेना ने 1950 में अपने नाम से रॉयल शब्द हटा दिया। यह दिन उन वायु योद्धाओं (सेवानिवृत्त एवं सेवारत) के साहस, पेशेवर रवैये और बलिदान का सम्मान करता है, जो शांति और संघर्ष के समय भारत के हवाई क्षेत्र, सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करते हैं। इतिहासजानेंभारतीय वायु सेना दिवस समारोह की खास बातेंभारतीय वायु सेना दिवस समारोह भव्यता, सटीकता और टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। सालाना एयर डिस्प्ले और फ्लाईपास्ट में फाइटर जेट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर के तालमेल वाले हवाई करतब शामिल होते हैं। एयर-वॉरियर परेड में पुरुष और महिला दोनों तरह के कर्मियों का सटीक तालमेल वाला मार्च होता है, जो अनुशासन और मिलिट्री अंदाज को दिखाता है।फ्लाई-पास्ट कार्यक्रम को आम जनता तक पहुँचाने के लिए हर साल जगहें बदली जाती हैं, जैसे हिंडन एयर फोर्स बेस, चंडीगढ़ और प्रयागराज। इस साल वाराणसी में 22, 23 और 25 अक्टूबर को फ्लाई-पास्ट डिस्प्ले होगा।थीम-बेस्ड कैंपेन में प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) और रक्षा मंत्रालय की तरफ से ऑफिशियल प्रमोशनल रिलीज शामिल हैं, जिनमें डायनामिक वीडियो कंटेंट होता है, जैसे 2026 का कैंपेन जिसकी थीम है, इंडियन एयर फोर्सः अचूक, अभेद्य और सटीक।भारतीय वायु सेना की मुख्य बातें- 2022 से लगातार पांचवें साल, भारतीय वायु सेना दुनिया भर में अमेरिका और रूस के बाद तीसरे स्थान पर है। यह युद्ध में खुद को साबित कर चुकी और अनुभवी सेना है। साथ ही, यह इस क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना है जो लगातार युद्ध अभियानों में शामिल रही है। 2019 में बालाकोट, 2020 से 2025 तक लद्दाख एल ए सी गतिरोध और मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों ने भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी तक हमला करने और हवाई सुरक्षा की क्षमताओं को दिखाया है। ऑपरेशन का अनुभव इसकी एक बड़ी ताकत है।भारतीय वायु सेना 250 से ज्यादा एसयू-30एम के आई एयर-डोमिनेंस फाइटर जेट्स का संचालन करती है। इन्हें एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे रडार और अस्त्र मार्क2 मिसाइलों के साथ 'सुपर सुखोई' मानकों के अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। राफेल 4.5-जेनरेशन फाइटर जेट्स, जो मीटियोर और स्कैल्प मिसाइलों और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट से लैस हैं, 'ऑपरेशन सिंदूर' में बहुत असरदार साबित हुए। जल्द ही राफेल का एक नया वेरिएंट आने की उम्मीद है। तेजस मार्क-1, अपग्रेडेड मिग-29यूपीजी, मिराज-2000 और जगुआर फाइटर जेट्स जैसे अन्य प्लेटफॉर्म भी अलग-अलग तरह की ऑपरेशनल क्षमताएं प्रदान करते हैं। लेह (10,700 फीट की ऊंचाई) से लेकर कार निकोबार जैसी जगहों से काम करने की भारतीय वायु सेना की क्षमता इसे क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना बनाती है जो लगातार ऊंचाई वाले इलाकों में ऑपरेशन करने में सक्षम है। भारतीय वायु सेना एस-400 और आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम के साथ आईएसीसीएस और एएफनेट का इस्तेमाल करके असरदार इंटीग्रेटेड नेट-सेंट्रिक ऑपरेशन करती है। ये प्लेटफॉर्म एक यूनिफाइड नेटवर्क के तौर पर काम करते हैं। एयर वॉरियर्स ने टेक्नोलॉजी-बेस्ड ऑपरेशन के तरीके को सफलतापूर्वक अपना लिया है।भारतीय वायु सेना का ट्रेनिंग का तरीका सबसे अच्छे तरीकों में से एक है और भारतीय वायु सेना के पायलटों ने कई इंटरनेशनल एक्सरसाइज जीती हैं।'आत्मनिर्भर भारत' पहल और देश में ही मॉडर्नाइजेशन पर ध्यान देने के अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। भारतीय वायु सेना ने 180 तेजस मार्क -1ए एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया है और आमका (ए एम सी ए), फिफ्थ-जेनरेशन फाइटर, कैटस-टीमिंग ड्रोन और स्वदेशी अस्त्र बी वी आर मिसाइल को मंजूरी दी है। ये कदम आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हैं, साथ ही बदलाव के दौर में क्षमता की कमियों को दूर करने के लिए लगातार कोशिशें जरूरी हैं।इंडियन एयर फोर्स की उपलब्धियाँ-कई दशकों के इतिहास में, भारतीय वायु सेना बाइप्लेन के एक छोटे से बेड़े से बढ़कर दुनिया की टॉप पाँच सबसे ताकतवर एयर फोर्स में से एक बन गई है। इसकी मुख्य उपलब्धियों में शामिल हैं:

राशिफल

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। आज ऑफिस में फोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए।

वृष राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार, सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कामों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है।

मिथुन राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। आपका उत्साह भी बढ़ेगा। भाई-बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज घर में कोई फंक्शन होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है।

कर्क राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रह सकता है। किस्मत का साथ मिलने में परेशानी आ सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है, शत्रुपक्ष आपकी योजनाओं से ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। कुछ दिनों से चल रही माता-पिता की नाराजगी आज आपसे खत्म होगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेस मैन आज कोई जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं।

तुला राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं आपका काम सफल होगा।

धनु राशि : आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ आपकी लंबी बातचीत हो सकती है, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। साथ ही किसी अच्छे रेस्टोरेन्ट में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे जिसे आप अपने किसी खास मित्र से शेयर भी करेंगे आपको राहत मिलेगी। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है।

मीन राशि :आज आप का दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार सोसाइटी में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर फ्लोवर डेकोरेशन का काम भी करवा सकते हैं। कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है।

सू- दोकू क्र 186

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

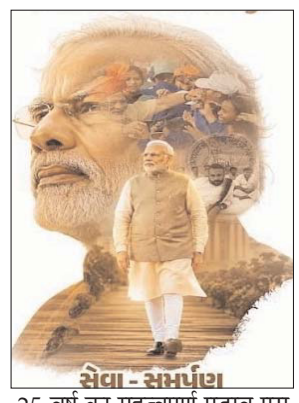
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.185 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

सामूहिक भागीदारी से विकसित भारत का संकल्प होगा पूरा, बनेगा स्वर्णिम भारत



सेवा जब संकल्प बनती है, संकल्प जब समर्पण में बदलता है और समर्पण जब राष्ट्र निर्माण का आधार बनता है, तब एक ऐसी यात्रा प्रारंभ होती है, जो केवल किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे देश की आकांक्षाओं और भविष्य की यात्रा बन जाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने का अवसर इसी भाव को अभिव्यक्त करता है। जनसेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए तय की गई इस यात्रा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा विकसित भारत के संकल्प को जन-जन से जोडने के उद्देश्य से देशभर में 'सेवा संकल्प अभियानइ चलाया जा रहा है। इसी अभियान की एक प्रेरक पहल 'सेवा ज्योति कलश यात्राइ है, जो गांव, जिला और राज्य स्तर पर सेवा, समर्पण, निष्ठा और राष्ट्र संकल्प की भावना को आगे बढ़ा रही है।7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी ने शासन की जिम्मेदारी संभाली थी। वहां से प्रारंभ हुई उनकी शासन और जनसेवा की यात्रा ने 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्ष का महत्वपूर्ण पड़ाव पूरा किया है। इन ढाई दशकों में शासन के केंद्र में गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग को रखते हुए विकास को जनभागीदारी से जोडने का प्रयास प्रमुखता से सामने आया है। प्रधानमंत्री के रूप में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासइ का मंत्र इसी सोच को व्यापक स्वरूप देता है। आज विकसित भारत-2047 का संकल्प इसी जनभागीदारी को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति मानकर आगे बढ?का आह्वान करता है।'सेवा ज्योति कलश यात्राइ अपने आप में भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना का सुंदर संगम है। ज्योति हमारी परंपरा में प्रकाश, ज्ञान, आशा और सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक है, जबकि कलश मंगल, पवित्रता और शुभ संकल्प का प्रतीक माना जाता है। जब यही ज्योति और कलश सेवा के भाव से जुड़ते हैं, तब वे राष्ट्र निर्माण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश देते हैं। यह यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा काल के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ प्रत्येक नागरिक को यह स्मरण कराने का अवसर भी है कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय का साझा संकल्प है।भारत जब वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण करेगा, तब हमारा देश कैसा होगा, इसका निर्धारण आज लिए जा रहे संकल्पों और किए जा रहे प्रयासों से होगा। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़ी अर्थव्यवस्था, आधुनिक शहर, बेहतर सड़कें, उद्योग अथवा अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है। विकसित भारत वह होगा, जहां किसान समृद्ध हो, महिलाएं आत्मनिर्भर हों, युवाओं के सपनों को अवसर मिले, गरीबों को आगे बढने की शक्ति मिले, बच्चों को बेहतर शिक्षा और पोषण मिले तथा समाज का अंतिम व्यक्ति भी विकास की मुख्यधारा में सम्मान के साथ सहभागी बने।

यही कारण है कि सेवा संकल्प अभियान का वास्तविक महत्व जनभागीदारी में निहित है। गांव से शहर तक जब नागरिक सेवा के किसी छोटे से कार्य को भी अपने कर्तव्य से जोड़ते हैं, तो वही छोटा प्रयास राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन जाता है। स्वच्छता के लिए श्रमदान, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण, जरूरतमंदों की सहायता, रक्तदान, जल संरक्षण, बेटियों की शिक्षा, माताओं और बच्चों के सुपोषण के लिए जागरूकता अथवा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना–ऐसे अनेक कार्य विकसित भारत की बुनियाद को मजबूत कर सकते हैं। राष्ट्र की प्रगति केवल नीतियों से नहीं, बल्कि नागरिकों की जिम्मेदार भागीदारी से गति प्राप्त करती है।'सेवा ज्योति कलश यात्रा इसी चेतना को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बन रही है।

विचार

बिखरी हुई व्यवस्था की कीमत अब छिपी नहीं है

भारत के कई हिस्सों में आज भी एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर तक मरीज की जानकारी पहुंचाने का मुख्य जरिया खुद मरीज ही है। वह हर बार अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट लेकर जाती है- कागजों की फाइल, मोबाइल में जांच की तस्वीरें या फिर सिर्फ अपनी याददाश्त के भरोसे। इलाज के हर चरण में नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन अक्सर वह अगले डॉक्टर या अस्पताल तक नहीं पहुंच पाती।

अस्पतालों के लिए इस कमी को दूर करना लंबे समय तक प्राथमिकता नहीं रहा। जब स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल बनाने की बात हुई, तो मुख्य सवाल यही रहा कि इसमें कितना खर्च आएगा और अस्पतालों को अपनी व्यवस्था में कितना बदलाव करना पड़ेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई नई डिजिटल व्यवस्था एक सप्ताहांत में लागू नहीं की जा सकती। अस्पतालों में वर्षों पुराने सॉफ्टवेयर, अलग-अलग तरह की काम करने की प्रक्रियाएं और डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल का अलग-अलग स्तर है। छोटे अस्पतालों के लिए तकनीक पर खर्च किया गया हर रुपया बिस्तरों, उपकरणों और कर्मचारियों पर होने वाले खर्च से जुड़ा होता है। इसलिए हमेशा यह सवाल रहा कि क्या नई व्यवस्था वास्तव में ऐसी समस्या का समाधान करेगी, जिसका समाधान जरूरी है।अब सवाल बदल गया है। ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मरीजों की जानकारी अलग-अलग जगह बंटी रहने की वजह से अस्पतालों और मरीजों को पहले से कितना नुकसान हो रहा है।मरीज के इलाज का पूरा सफर इस समस्या को साफ दिखाता है। वह पहले किसी स्थानीय डॉक्टर को दिखा सकती है, फिर किसी जांच केंद्र पर जांच करा सकती है, उसके बाद विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ले सकती है और अंत में अस्पताल में भर्ती हो सकती है। इलाज के हर चरण में मरीज से जुड़ी नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन यह जानकारी अक्सर डॉक्टर, क्लिनिक और जांच केंद्र के बीच आगे नहीं पहुंचती।इसके बाद क्या होता है, यह हम सभी अच्छी तरह जानते हैं कि मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री उपलब्ध नहीं होती, वही जांच दोबारा करानी पड़ती है, इलाज में अनावश्यक देरी होती है और ऐसी जानकारी जुटाने में घंटों लग जाते हैं जो पहले से कहीं और मौजूद होती है।लंबे समय तक डेटा को अस्पताल या संस्था की अपनी संपत्ति की तरह देखा गया, जिसे अपने पास रखा जाए। जबकि असल में यह ऐसी जानकारी है, जिसे मरीज के साथ आगे बढना चाहिए।

मुनाफे के बाजार का खेल, घी के नमूने हुए फेल

नामी ब्रांडों के उत्पादों की इतनी आकर्षक विज्ञापन-यात्रा होती है कि उन्हें देखकर लगता है, देश का हर घर उन्हीं के उत्पाद से चलता है। चेहरे मुस्कुराते हैं, परिवार प्रसन्न दिखाई देते हैं और उत्पाद इतना शुद्ध बताया जाता है कि उसे देखकर दूध भी स्वयं को संदेह की निगाह से देखने लगे।फेल होना भी पास होने की दिशा में एक कदम है। यही बात लिखेरा पंडित के मन में तब आई, जब उन्होंने खबर पढ़ी कि कुछ नामी ब्रांडों के घी के नमूने प्रयोगशाला की जांच में निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। कहीं लेड की मात्रा को लेकर सवाल था, तो कहीं आयोडीन या वनस्पति वसा की मात्रा को लेकर।लिखेरा पंडित ने सोचा–यह तो सरासर नाइंसाफी है। जिस उत्पाद के नाम के साथ शुद्धता के इतने दावे जुड़े हों, उसके नमूने फेल कैसे हो सकते हैं?कुछ लोग कहते हैं कि खाद्य पदार्थों में निर्धारित सीमा से अधिक कुछ तत्व स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। लेकिन ब्रांड वालों का उद्देश्य उपभोक्ता के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाना थोड़े ही होगा! संभव है, उनका उद्देश्य उपभोक्ता को इतना अभ्यस्त बनाना हो कि उसका शरीर हर तरह के झटकों को स्वीकार करने लगे।आज थोड़ा अधिक, कल थोड़ा और। शरीर भी आखिर अनुकूलन करना सीखता है। मनुष्य और मच्छर में एक समानता तो है ही–दोनों परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने में माहिर हैं। तभी तो दोनों इतने लंबे समय से अस्तित्व में हैं।लिखेरा पंडित को असली दुख नमूने के फेल होने का था। आखिर इतने नामी ब्रांडों के उत्पादों की इतनी आकर्षक विज्ञापन-यात्रा होती है कि उन्हें देखकर लगता है, देश का हर घर उन्हीं के उत्पाद से चलता है। चेहरे मुस्कुराते हैं, परिवार प्रसन्न दिखाई देते हैं और उत्पाद इतना शुद्ध बताया जाता है कि उसे देखकर दूध भी स्वयं को संदेह की निगाह से देखने लगे।ऐसे में जांच की क्या जरूरत है? और यदि जांच करनी ही है, तो नमूना लेने में थोड़ी शालीनता बरती जानी चाहिए। नामी ब्रांड का नमूना भी किसी वातानुकूलित शोरूम, चमचमाते मॉल या कंपनी की पसंदीदा दुकान से लिया जाना चाहिए। साधारण दुकान में पड़े-पड़े बेचारे नमूने का मन ही खट्टा हो जाता होगा। फिर वह प्रयोगशाला में जाकर क्या खाक पास होगा!आगे से प्रयोगशाला भेजने से पहले नमूने को थोड़ा समझाया जाए–ह्यघबराना मत। तुम नामी ब्रांड के प्रतिनिधि हो। फेल होना तुम्हारे लिए कोई अंत नहीं है।

और यदि फिर भी नमूना फेल हो जाए, तो चिंता की कोई बात नहीं। उसे दोबारा जांच के लिए भेज दीजिए।

शब्द सामर्थ्य -186

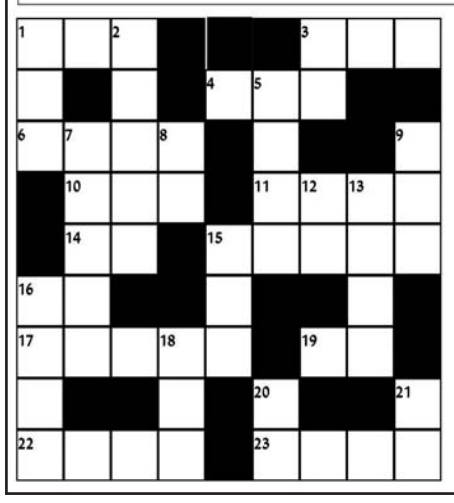
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुस्बात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 185 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली द्वारा ग्राम जमुनाही में मेगा ड्राइव विधिक शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में हुआ आयोजन

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA), नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुंगेली द्वारा आम जनता को त्वरित न्याय एवं शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मेगा ड्राइव विधिक सेवा शिविर का आयोजन ग्राम जमुनाही में किया गया।

यह आयोजन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट / प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुंगेली की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शिविर में ग्राम जमुनाही के ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

शिविर की प्रमुख



उपलब्धियां एवं गतिविधियां:

दिव्यांगजनों को सहायता एवं उपकरण वितरण: शिविर के दौरान श्रवण बाधित ग्रामीण को निःशुल्क कान की मशीन (श्रवण यंत्र) प्रदान की गई, जिससे लाभार्थि को त्वरित राहत मिली।

मूलभूत सुविधाओं व समस्याओं का समाधान: ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न आवेदनों पर कार्यवाही की गई। विशेष रूप से गांव में बिजली आपूर्ति, विद्युत बिल सुधार तथा शौचालय निर्माण व मरम्मत से संबंधित दर्जनों समस्याओं का संबंधित विभागों के समन्वय से मौके पर ही निराकरण हेतु निर्धारित किया गया।

जन-समस्याओं का निवारण: मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा ग्रामीणों की व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया और विभागीय अधिकारियों को पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से निराकरण हेतु निर्देश दिए गए।

विधिक एवं शासकीय योजनाओं की जागरूकता:

विधिक एवं शासकीय योजनाओं की जागरूकता: राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत तथा मौलिक अधिकारों के प्रति ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया।

"राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक न्याय की पहुंच आसान बनाना है।

इस मेगा ड्राइव शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाना और विधिक अधिकारों के प्रति सजग बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस सफल आयोजन एवं समाधान पर ग्रामवासियों ने राष्ट्रीय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली तथा उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया।

सेवा संकल्प अभियान : विद्यालय एवं आंगनबाड़ी परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित



पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। वनमंडलाधिकारी कवर्धा के निर्देशन में वनमंडल कवर्धा के वन परिक्षेत्र पंडरिया पूर्व अंतर्गत पंडरीखार सर्किल के ग्राम छुईयापारा में सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा। अभियान के अंतर्गत ग्राम छुईयापारा के विद्यालय एवं आंगनबाड़ी परिसर में वन विभाग के वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रीमती पल्लवी गंगबेर सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों द्वारा सामूहिक रूप से साफ-सफाई की गई। सभी ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए परिसर को स्वच्छ रखने तथा आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिसर मे पौधों का रोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में पंडरीखार सर्किल के परिक्षेत्र सहायक, पंडरीखार एवं लेदरा पूर्व के परिसर रक्षक, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अभियान में कुल 43 लोगों ने सहभागिता की, जिनमें 30 छात्र-छात्राएं, 5 वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं 8 ग्रामीणजन शामिल थे। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए विद्यालय, आंगनबाड़ी एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता की आदतों को दैनिक जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया।

सोशल मीडिया पर अश्लील एवं अभद्र टिप्पणी करने वाला पहुंचा जेल

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर अश्लील एवं अभद्र टिप्पणियां प्रसारित करने तथा पुलिस के समक्ष शिकायतकर्ता को धमकी देने के मामले में त्वरित वैधानिक कार्यवाही की गई है।

थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के निवासी अजय सिंह ठाकुर, पिता शंकर सिंह, उम्र 33 वर्ष, निवासी ठाकुरपारा, कवर्धा, जिला कबीरधाम द्वारा 10 अक्टूबर को थाना में उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई गई कि एक व्यक्ति फेसबुक आईडी के माध्यम से उप मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के तस्वीरों पर अश्लील एवं अभद्र गाली-गलौज वाली टिप्पणियां प्रसारित कर रहा है।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा तत्काल संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम सलमान अली खान, पिता सुलेमान अली, उम्र 23 वर्ष, निवासी लोहारा नाका, झंडा चौक, कवर्धा, थाना सिटी कोतवाली, जिला कबीरधाम बताया।

पुलिस द्वारा शिकायत के संबंध में पूछताछ करते हुए समझाइश दी जा रही थी। इसी दौरान आरोपी आक्रोशित होकर शिकायतकर्ता को देख लेने की धमकी देने लगा तथा जोर-जोर से चिल्लाकर हंगामा करने लगा। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित होने लगी। स्थिति को देखते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा संभावित संज्ञेय अपराध की रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गई। साथ ही शांति बनाए रखने हेतु



अधिक से अधिक प्रतिभूति से प्रतिबंधित किए जाने के लिए धारा 126 एवं धारा 135(3) बीएनएसएस के तहत इस्तगाशा तैयार कर पृथक से आरोपी के विरुद्ध सोशल मीडिया पर अश्लील एवं अभद्र टिप्पणी प्रसारित करने के संबंध में धारा 296 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं धारा 67 सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) के तहत भी वैधानिक कार्यवाही की गई। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेजा गया है।

कबीरधाम पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी एवं मर्यादा के साथ करें। किसी भी व्यक्ति अथवा सार्वजनिक पद पर आसीन व्यक्ति के संबंध में अश्लील, अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी प्रसारित करने से बचें। सोशल मीडिया के माध्यम से कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने पर तथ्यों के आधार पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उक्त कार्यवाही में थाना सिटी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक श्री लालजी सिन्हा एवं थाना सिटी कोतवाली पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

सेवा की कहानी : किसान समृद्धि योजना से मनोज के खेतों में आई हरियाली, बढ़ी खुशहाली

नलकूप खनन एवं पंप स्थापना के लिए 43 हजार रुपए की सहायता से सिंचाई सुविधा का हुआ विस्तार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने के साथ आजीविका के नए अवसर भी विकसित हो रहे हैं। इसी क्रम में खैरागढ़- छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम कोरवा निवासी किसान श्री मनोज कुमार छेदैया कृषि क्षेत्र में आए सकारात्मक परिवर्तन का उदाहरण हैं। कृषि विभाग की किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत नलकूप खनन एवं पंप स्थापना के लिए प्राप्त 43 हजार रुपए की अनुदान सहायता ने उनकी खेती को नई दिशा दी है। सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने से अब उनके खेतों में सालभर फसल उत्पादन की संभावनाएं बढ़ी हैं और कृषि से होने वाली आमदनी में भी वृद्धि हुई है।

किसान श्री छेदैया के पास लगभग चार एकड़ कृषि भूमि है। पहले सिंचाई के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें खेती के लिए मुख्य रूप से वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता था। वर्षा की अनिश्चितता और समय पर पानी नहीं मिलने से फसलों का उत्पादन प्रभावित होता था। विशेषकर खरीफ सीजन के बाद अन्य फसलों की खेती करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। सीमित सिंचाई सुविधा के कारण वे अपनी कृषि भूमि का समुचित उपयोग नहीं कर पा रहे थे, जिससे परिवार की आमदनी भी सीमित थी।

किसान समृद्धि योजना से बदली खेती की तस्वीर

कृषि विभाग द्वारा संचालित किसान समृद्धि योजना श्री छेदैया के लिए लाभकारी साबित हुई। योजना के अंतर्गत उन्हें नलकूप खनन एवं पंप स्थापना के लिए 43 हजार रुपए की अनुदान सहायता प्राप्त हुई। इस राशि की सहायता से उन्होंने अपने खेत में नलकूप खनन करवाया और सिंचाई पंप स्थापित किया। इससे खेतों तक पानी पहुंचाने की सुविधा विकसित हुई और वर्षा पर निर्भरता कम हुई। अब वे फसलों की आवश्यकता के अनुसार समय



पर सिंचाई कर पा रहे हैं। इससे खेती के बेहतर प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादन बढ़ाने में भी सहायता मिली है।

धान के साथ सब्जियों की खेती से बढ़े आय के अवसर

सिंचाई सुविधा विकसित होने के बाद श्री छेदैया की कृषि गतिविधियों में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। पहले जहां पानी की कमी के कारण खेती की पैदावार सीमित रहती थी, वहीं अब वे धान के साथ सब्जियों एवं अन्य फसलों की खेती भी कर पा रहे हैं। नियमित सिंचाई की सुविधा मिलने से फसलों की बढ़वार और उत्पादन में सुधार हुआ है।

इससे कृषि आधारित आय के नए अवसर विकसित हुए हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

अब वे अपनी चार एकड़ कृषि भूमि का पहले की तुलना में बेहतर उपयोग कर रहे हैं।

शासन की सहायता से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

किसान श्री छेदैया बताते हैं कि पहले सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से खेती में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पानी की कमी के कारण फसलों का उत्पादन प्रभावित होता था और अतिरिक्त फसल लेने की संभावना भी सीमित रहती थी। किसान समृद्धि योजना का लाभ मिलने के बाद उनकी यह समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। नलकूप एवं पंप की सुविधा उपलब्ध होने से अब वे समय पर फसलों की सिंचाई कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सहायता से खेती में सुधार आया है और परिवार की आमदनी बढ़ने के साथ आर्थिक स्थिति भी बेहतर हुई है।

श्री छेदैया ने किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मिली सहायता के लिए शासन-प्रशासन एवं कृषि विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन बेटियों को स्वच्छता, सुरक्षा और सम्मान की सौगात

कोरबा के ग्रामों में वीबी- जीरामजी से बालिका शौचालयों का निर्माण पूर्ण

रायपुर ■ दैनन्दिनी

शारदीय नवरात्र में जहां एक ओर पूरे प्रदेश में मातृशक्ति की आराधना की जा रही है, वहीं छत्तीसगढ़ सरकार बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और स्वच्छता के संकल्प को धरातल पर साकार कर रही है। नवरात्र के प्रथम दिन कोरबा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं के लिए निर्मित शौचालय बेटियों के सम्मान की एक सुंदर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशनदृग्रामीण (वीबी-जी रामजी) के अंतर्गत कोरबा जिले के पाली विकासखंड की ग्राम पंचायत नोनबिर्री और करतला विकासखंड की ग्राम पंचायत दादरकला में बालिका शौचालयों का निर्माण पूर्ण किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित 'मेरी बेटीदृमेरा अभिमान' अभियान के अंतर्गत ग्रामीण विद्यालयों में बालिकाओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। कोरबा जिले में पूर्ण हुए ये निर्माण कार्य इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं।

'मेरी बेटी-मेरा स्वाभिमान' के संदेश से सजे बालिका शौचालय

ग्राम पंचायत नोनबिर्री एवं दादरकला में निर्मित बालिका शौचालय को आकर्षक गुलाबी रंग और सुंदर चित्रकारी से सजाया गया है। भवन की



दीवार पर बड़े अक्षरों में 'मेरी बेटीदृमेरा स्वाभिमान' का संदेश अंकित है। इसके साथ ही 'स्वच्छ रहें, सुरक्षित रहें' का संदेश भी दिया गया है। शौचालय के सामने खड़ी स्कूली बालिकाओं ने वीबी-जी रामजी के अक्षरों और स्वच्छता के प्रतीकों के माध्यम से योजना के प्रति अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। बालिकाओं की यह सहभागिता दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और बेटियों के आत्मसम्मान के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हो रहा है।

नवरात्र में मातृशक्ति के सम्मान का साकार रूप

नवरात्र का पर्व नारी शक्ति के सम्मान और आराधना का प्रतीक है। ऐसे अवसर पर बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण पूर्ण होना विशेष महत्व रखता है। विद्यालयों में अलग बालिका शौचालय की उपलब्धता छात्राओं की निजता, स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। विशेष रूप से किशोरावस्था में बालिकाओं के लिए ऐसी सुविधाएं उनकी गरिमा और आत्मविश्वास को बनाए रखने में सहायक होती हैं। इससे विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति और पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

प्रदेश में 6,671 बालिका शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 6 अगस्त 2026 को वीबी-जीरामजी योजना के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटीदृमेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया था। यह विशेष अभियान 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के ग्रामीण शासकीय विद्यालयों में लगभग 286.85 करोड़ रुपए की लागत से 6,671 बालिका शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस अभियान का उद्देश्य केवल शौचालयों का निर्माण करना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों को ऐसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे वे बिना किसी असुविधा के शिक्षा प्राप्त कर सकें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

वनांचल क्षेत्र कुई-कुकदूर पहुंचेंगे कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा

पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल ग्राम कुई-कुकदूर में 12 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा का एक दिवसीय दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान वे क्षेत्र में विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मंत्री के इस दौरे को लेकर क्षेत्र में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस दौरे का प्रमुख आकर्षण पंडरिया की लोकप्रिय विधायक भावना बोहरा के द्वारा कुई-कुकदूर क्षेत्र की महाविद्यालयीन छात्राओं के लिए शुरू की जा रही निःशुल्क बस सेवा का शुभारंभ होगा। इस सेवा से क्षेत्र की छात्राओं को महाविद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी।



साथ ही उनकी शिक्षा के मार्ग में आने वाली परिवहन संबंधी कठिनाइयों को कम करने में मदद मिलेगी। विधायक भावना बोहरा द्वारा जनसेवा और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में इसे एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

वनांचल क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने और ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन से क्षेत्र में अधोसंरचना के विस्तार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वहीं, छात्राओं के लिए निःशुल्क बस सेवा शुरू होने से शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन बढ़ेगा और उन्हें आवागमन में राहत मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा का पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्र में यह पहला दौरा कार्यक्रम है। इसे लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों कार्यकर्ताओं एवम क्षेत्रवासियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को सफल बनाने के लिये ज़ोर शोर से तैयारियां की जा रही है।

IND vs NZ ODI सीरीज में खास जर्सी में उतरेगी न्यूजीलैंड की टीम, 100 साल पुराने रिश्तों का मनाया जाएगा जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इसी महीने न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। 5 मैचों की T20I सीरीज से इस दौरे का आगाज होगा। इसके बाद 5 मैचों की ODI सीरीज खेली जाएगी। ODI सीरीज में न्यूजीलैंड की टीम भारत के खिलाफ विशेष रूप से तैयार की गई जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी। इस जर्सी के जरिए दोनों देशों के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा। बता दें, साल 1926 में भारतीय सेना की हॉकी टीम ने पहली बार न्यूजीलैंड का दौरा किया था और खिलाड़ियों व समुदायों को एक साथ लाया था।



न्यूजीलैंड टीम की खास जर्सी को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसमें न्यूजीलैंड की माओरी संस्कृति और भारतीय कला परंपराओं की झलक एक साथ दिखाई देगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इस खास जर्सी को कोटाहितांगा ODI शर्ट नाम दिया है। इसका डिजाइन दोनों देशों के साझा इतिहास, सांस्कृतिक जुड़ाव और आपसी सम्मान को दर्शाता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आगामी ODI सीरीज में कीवी टीम इसी लिमिटेड एडिशन जर्सी को पहनकर खेलेंगे। इस खास जर्सी को तैयार करने में तीन कलाकारों ने अपना योगदान दिया है, जिसमें न्यूजीलैंड के कलाकार बेन थॉमसन, गुजरात के शिव नारंदास और जय पंचा शामिल गैं। तीनों ने अपनी-अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से प्रेरणा लेकर ऐसा डिजाइन तैयार किया, जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को दर्शाता है। थॉमसन ने जर्सी में माओरी कला के पारंपरिक कोवाईव्हाई पैटर्न का इस्तेमाल किया है। डिजाइन में उन लोगों के योगदान को भी सम्मान दिया गया है, जिन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच रिश्तों को मजबूत बनाने में भूमिका निभाई। वहीं, शिव नारंदास और जय पंचा ने जर्सी में भारतीय कला से जुड़े तीन खास प्रतीकों को शामिल किया है। इनमें भारत का राष्ट्रीय फूल कमल, भारतीय वास्तुकला से प्रेरित दोहराव वाला पैटर्न और मंडला शामिल हैं।

22 अक्टूबर से भारत के न्यूजीलैंड दौरे का आगाज

न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग और कॉमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने इस पहल पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि हम इस डिजाइन से बेहद खुश हैं। कलाकारों ने विशिष्ट माओरी और भारतीय डिजाइनों के बीच खूबसूरत संतुलन बनाया है, जो दोनों देशों के बीच के रिश्ते को दर्शाता है। डिजाइन तैयार करने वाले बेन थॉमसन ने बताया कि इस पूरी परियोजना का मुख्य विचार एकता था। उनके मुताबिक, जर्सी का डिजाइन इसी भावना को पूरी तरह व्यक्त करता है। भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होना है। इस खास जर्सी के जरिए ODI सीरीज में क्रिकेट के साथ दोनों देशों की साझा सांस्कृतिक विरासत और दोस्ती भी चर्चा में रहेगी।

रणजी ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल, दूसरे मुकाबले में खेलने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड दौरे से पहले भारतीय टेस्ट और ODI टीम के कप्तान शुभमन गिल को रणजी ट्रॉफी में अपनी लय हासिल करने का मौका मिल सकता है। हालांकि, वह पंजाब की ओर से असम के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मुकाबला नहीं खेलेंगे। उनके छत्तीसगढ़ के खिलाफ दूसरे मैच में उतरने की संभावना जताई जा रही है। यह मुकाबला 18 से 21 अक्टूबर तक खेला जाना है। पंजाब और असम के बीच न्यू चंडीगढ़ में होने वाले मुकाबले में टीम की कमान पूर्व भारतीय अंडर-19 कप्तान उदय सहारन संभालेंगे। गिल के पहले मैच से बाहर रहने की वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

न्यूजीलैंड दौरे से पहले मैच प्रैक्टिस का मौका

शुभमन गिल फिलहाल इंडिया ए टीम का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में रणजी ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला उनके लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में समय बिताने का अच्छा अवसर हो सकता है। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है, जहां गिल टेस्ट सीरीज से पहले शुरुआती तीन ODI मुकाबलों में खेल सकते हैं। ऐसे में घरेलू क्रिकेट में उनकी भागीदारी पर नजर रहेगी।



नेशनल सिलेक्शन कमेटी ने उपलब्ध भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी का कम से कम एक मैच खेलने के लिए कहा है। इसी निर्देश के तहत रवींद्र जडेजा सौराष्ट्र, केएल राहुल कर्नाटक, गुरनूर बराड़ पंजाब और आकाश दीप बंगाल की टीम से खेल रहे हैं। गिल के दूसरे रणजी मैच में खेलने को लेकर अभी अंतिम पुष्टि नहीं हुई है। अगर वह छत्तीसगढ़ के खिलाफ मैदान पर उतरते हैं, तो न्यूजीलैंड दौरे से पहले उन्हें अपनी बल्लेबाजी परखने और मैच अभ्यास हासिल करने का मौका मिलेगा।

22 अक्टूबर से भारत के न्यूजीलैंड दौरे का आगाज

गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट टीम इसी महीने न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। 22 अक्टूबर से T20I सीरीज के जरिए भारतीय टीम के न्यूजीलैंड दौरे का आगाज होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की T20I सीरीज और इतने ही मैचों की ODI सीरीज खेली जाएगी।

आखिर में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। कप्तान शुभमन गिल 4 नवंबर से खेली जाने वाली ODI सीरीज में टीम की कमान संभालते नजर आएंगे।

इसके बाद 19 नवंबर से टेस्ट सीरीज का आयोजन होगा। ऐसे में गिल के पास न्यूजीलैंड के इस अहम दौरे से पहले रणजी ट्रॉफी में खुद को तैयार करने का शानदार मौका होगा।

क्रिस गेल के बड़े रिकॉर्ड की बराबरी से एक कदम दूर शेरफेन रदरफोर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के खिलाफ T20I सीरीज में वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड लगातार अपने बल्ले से धमाल मचा रहे हैं। रांची में खेले गए दूसरे T20I मुकाबले में उन्होंने 84 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अब रदरफोर्ड के पास तीसरे T20I मैच में एक ऐसा रिकॉर्ड बनाने का मौका है, जो वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम दर्ज है। रदरफोर्ड एक और अर्धशतक जड़ते ही गेल के लगातार सबसे ज्यादा T20I 50 प्लस स्कोर के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।

दरअसल, वेस्टइंडीज के लिए T20I क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा 50 या उससे अधिक रन की पारियां खेलने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। गेल ने लगातार चार पारियों में यह कारनामा किया था। रदरफोर्ड भी इस रिकॉर्ड की बराबरी करने से अब सिर्फ एक अर्धशतक दूर हैं। ऐसे में 11 अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में भारत के खिलाफ होने वाला तीसरा T20I मुकाबला उनके लिए खास बन सकता है।

रांची में रदरफोर्ड ने खेली थी 84 रन की पारी

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की T20I सीरीज का दूसरा मुकाबला रांची में खेला गया था। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 249 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने शे होप के 102 रन और रदरफोर्ड की 84 रन की पारी की बदौलत लक्ष्य हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज ने 9 गेंद शेष रहते पांच विकेट से जीत दर्ज की। यह T20I क्रिकेट में उसका सबसे बड़ा सफल रन चेज भी रहा। मुकाबले में दोनों टीमों ने मिलकर 501 रन बनाए और सिर्फ 9 विकेट गिरे। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। इससे पहले लखनऊ में खेले गए पहले T20I मुकाबले में भारत ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी।

शोभना मोस्तारी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जड़ा ऐतिहासिक शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की बल्लेबाज शोभना मोस्तारी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 134 गेंदों पर 118 रन बनाकर अपना पहला ODI शतक जड़ा। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला ODI में शतक लगाने वाली पहली बांग्लादेशी बल्लेबाज बनीं।

तीन विकेट सिर्फ आठ रन पर गिर चुके थे और बांग्लादेश की टीम मुश्किल में नजर आ रही थी। ऐसे में शोभना मोस्तारी ने मोर्चा संभाला और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐसी पारी खेली, जिसने बांग्लादेशी महिला क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में उनका नाम दर्ज करा दिया। मोस्तारी ने 11 अक्टूबर को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में दूसरे ODI मुकाबले में अपना पहला ODI शतक जड़ा। उनकी इस पारी की बदौलत बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अब तक का सबसे बड़ा ODI स्कोर खड़ा किया।



दाएं हाथ की बल्लेबाज मोस्तारी ने 134 गेंदों पर 118 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 18 चौके लगाए। वह पारी के 45वें ओवर में एनाबेल सदरलैंड की गेंद पर एक रन लेकर अपना शतक पूरा किया। इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला ODI में शतक लगाने वाली पहली बांग्लादेशी बल्लेबाज बन गईं। वह ODI क्रिकेट में शतक लगाने वाली बांग्लादेश की केवल चौथी बल्लेबाज भी हैं।

मुश्किल परिस्थितियों में जड़ा शतक

मोस्तारी जब बल्लेबाजी करने उतरीं, तब टीम ने महज आठ रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। ऐसे नाजुक समय में उन्होंने कप्तान निगार सुल्ताना जोटी के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 195 रन की शानदार साझेदारी हुई। महिला ODI में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए यह सबसे बड़ी साझेदारी है। वहीं, बांग्लादेश की महिला ODI टीम के इतिहास में भी यह किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी बन गई। इससे पहले यह रिकॉर्ड इसी साल थाईलैंड के खिलाफ शर्मिन अख्तर और निगार सुल्ताना के बीच हुई 152 रन की साझेदारी के नाम था।

4 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

मोस्तारी ने इस पारी के साथ बांग्लादेश की महिला ODI क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने फरगाना हक के 2022 में भारत के खिलाफ बनाए गए 107 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मोस्तारी की पारी का अंत 48वें ओवर में हुआ, जब वह तेजी से रन बनाने की कोशिश में अपना विकेट गंवा बैठीं।

दूसरे छोर पर कप्तान निगार सुल्ताना डटी रहीं। उन्होंने 114 गेंदों पर नाबाद 74 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल थे। मोस्तारी और जोटी की पारियों की मदद से बांग्लादेश ने निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर 220 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे में यह बांग्लादेश का अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।

व्यापार

दिल्ली में प्रोटेस्ट की वजह से 2000 करोड़ रुपये का कारोबार ठप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट बुलाया था। दिल्ली पुलिस ने CJP के पिछले प्रोटेस्ट को ध्यान में रखते हुए इस प्रोटेस्ट को मंजूरी नहीं दी थी। देश की राजधानी में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली इलाके के सभी बाजारों को बंद रखने के निर्देश दिए थे।

बाजार बंद रहने की वजह से दिल्ली में हजारों करोड़ रुपये का व्यापार ठप रहा और लाखों व्यापारियों पर इसका बुरा असर पड़ा।

चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने कॉकरोच जनता पार्टी समेत सभी राजनैतिक दलों से अपील की है कि दिल्ली में दीपावली खत्म होने तक किसी तरह का कोई धरना प्रदर्शन न किए जाएं। CTI ने कहा कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में हुए धरने-प्रदर्शन के कारण दिल्ली में लगभग 2000 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हुआ, जिसके कारण दिल्ली के 20 लाख व्यापारियों के माथे पर चिंता की लकीरें उभर आईं।



चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने सीजेपी समेत सभी राजनैतिक दलों को लिखी चिट्ठी

चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने सीजेपी समेत सभी राजनैतिक दलों को लिखी चिट्ठी में कहा, "आज से नवरात्रि और रामलीलाएं शुरू हो रही हैं और दीपावली का सीजन शुरू हो गया है। ये दिल्ली के 20 लाख व्यापारियों के लिए साल का सबसे बड़ा व्यापारिक सीजन है। धरने-प्रदर्शन से व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है और अगर ये धरना प्रदर्शन लंबा चला तो दिल्ली की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी और दिल्ली के 20 लाख व्यापारियों का कारोबार चौपट हो जाएगा।"

सीटीआई ने 11 अक्टूबर को लिखी चिट्ठी में आगे कहा, "दिल्ली में आज से रामलीलाएं भी शुरू हो रही हैं। दिल्ली में 650 रामलीलाएं होती हैं, जिसमें लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। अगर धरने प्रदर्शन के कारण रास्ते और मेट्रो स्टेशन बंद रहेंगे तो लोग रामलीलाओं में आने से कतराएंगे। चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री CJP और सभी राजनैतिक दलों से मांग करता है कि है कि दीपावली तक दिल्ली के अलावा किसी और शहर को धरने-प्रदर्शन के लिए चुना जा सकता है, ताकि दिल्ली का त्योहारी व्यापार बच सके और आम लोगों को परेशानी न हो।"

पूरे देश का सबसे बड़ा डिस्ट्रिब्यूशन हब है दिल्ली

सीटीआई ने अपनी चिट्ठी में लिखा कि दिल्ली पूरे देश का सबसे बड़ा डिस्ट्रिब्यूशन हब है और यहीं से सामान पूरे भारत और विदेशों तक जाता है। दिल्ली के बाजारों में रोजाना 3-4 लाख बाहरी लोग खरीदारी के लिए आते हैं।

10 अक्टूबर को दिल्ली के व्यापार का हाल

सदर बाजार, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, कनॉट प्लेस, करोल बाग, लाजपत राय मार्केट जैसे दिल्ली के प्रमुख और बड़े बाजार बंद रहे। अन्य बाजारों में भी कामकाज नहीं के बराबर हुआ।

वैश्विक समुद्री साझेदारी में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 'सागरमंथनः द ग्रेट ओशन्स डायलॉग 2026' के दूसरे दिन सऊदी अरब, बेल्जियम और भूटान के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। चर्चा में बंदरगाह विकास, जहाज निर्माण, हरित शिपिंग और समुद्री कौशल प्रशिक्षण पर जोर दिया गया। सऊदी अरब ने भारतीय बंदरगाह परियोजनाओं और समुद्री विकास कोष में निवेश की रुचि जताई। बेल्जियम के साथ हरित शिपिंग कॉरिडोर, स्मार्ट पोर्ट तकनीक और हरित ईंधन पर सहयोग की संभावनाएं तलाशी गईं। भूटान के साथ राष्ट्रीय जलमार्ग-2 और जोगीघोपा टर्मिनल के जरिए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बढ़ाने पर चर्चा हुई। सोनोवाल ने समुद्री क्षेत्र में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण बताया। सम्मेलन में महिला नौकायन दल ने भी हिस्सा लिया।

सूरत और मधुबनी के बीच चलेगी अमृत भारत स्पेशल ट्रेनें

सूरत। दूसरे राज्यों में मेहनत-मजदूरी करने वाले बिहार के लोगों के लिए भारतीय रेल सैकड़ों स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। भारतीय रेल इन स्पेशल ट्रेनों के जरिए अपने यात्रियों को बेहतर, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा अनुभव देना चाहती है ताकि वे दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा जैसे बड़े त्योहारों पर आराम से यात्रा कर अपने घर पहुंच सकें। इसी कड़ी में भारतीय रेल ने मधुबनी जिले के जयनगर और सूरत जिले के उधना के बीच 2-2 अमृत भारत स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा की है।

अकासा एयर आज से शुरू करेगी जयपुर से मुंबई और बेंगलुरु के बीच डायरेक्ट फ्लाइट



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की एयरलाइन कंपनी अकासा एयर अपने बिजनेस को विस्तार देने के लिए राजस्थान में भी एंट्री करने जा रही है। अकासा एयर ने 11 अक्टूबर से जयपुर से मुंबई और जयपुर से बेंगलुरु के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि राजस्थान में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की अपनी योजना के तहत वो 15 अक्टूबर से उदयपुर से भी सर्विस शुरू करेगी। जयपुर से बेंगलुरु के लिए पहली फ्लाइट रविवार को सुबह 11:30 बजे रवाना होगी और दोपहर दो बजे पहुंचेगी।

जयपुर का पर्यटन बाजार परिपक्व और विविध

अकासा एयर के को-फाउंडर और चीफ कमर्शियल ऑफिसर (COO) आनंद श्रीनिवासन ने कहा कि राजस्थान कंपनी की नेटवर्क विस्तार योजनाओं का स्वाभाविक विस्तार है। उन्होंने कहा, "जयपुर का पर्यटन बाजार परिपक्व और विविध है। इसे मुंबई और बेंगलुरु से जोड़ने से हमें कई तरह के यात्रियों की जरूरत को पूरा करने का मौका मिलेगा।"

राजस्थान में अपनी उपस्थिति बढ़ाने और यात्रियों को ज्यादा विकल्प देने पर ध्यान केंद्रित करेगी कंपनी

श्रीनिवासन ने कहा कि एयरलाइन राजस्थान में अपनी उपस्थिति बढ़ाने और यात्रियों को यात्रा के लिए ज्यादा विकल्प देने पर ध्यान केंद्रित करेगी। बयान के अनुसार मुंबई-जयपुर डेली सर्विस मुंबई से सुबह 9:10 बजे रवाना होगी और सुबह 11:10 बजे जयपुर पहुंचेगी।

भारतीय IT कंपनियों पर अमेरिकी कार्रवाई का कोई खास असर नहीं, ग्रीन कार्ड के आवेदनों में भारी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की प्रमुख आईटी कंपनियां अमेरिका के स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रम से सस्पेंशन का सामना कर रही हैं। हालांकि, अमेरिका की इस कार्रवाई का भारतीय आईटी कंपनियों पर कुछ खास प्रभाव पड़ता हुआ नजर नहीं आ रहा है। दरअसल, भारतीय आईटी कंपनियों ने इस साल ग्रीन कार्ड के लिए कम आवेदन किए हैं और इससे संकेत मिलता है कि अमेरिकी कार्रवाई का उनके कामकाज पर बहुत ज्यादा असर पड़ने की आशंका नहीं है।

अमेरिका ने टीसीएस, इन्फोसिस समेत 8 आईटी कंपनियों पर की कार्रवाई

बताते चलें कि अमेरिका ने गुरुवार को टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक समेत 8 आईटी कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों के लिए ग्रीन कार्ड आवेदन करने वाले प्रोग्राम से सस्पेंड कर दिया था। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि इस प्रोग्राम के कारण अमेरिकी नागरिकों के लिए रोजगार के मौके घट रहे हैं। अन्य कंपनियों में कैपजेमिनी, कॉग्निजेंट, माइक्रोसॉफ्ट और एडोबी शामिल हैं। ये कंपनियां बड़ी संख्या में भारतीयों को रोजगार देती हैं।

टीसीएस ने 2026 में सिर्फ 2 ग्रीन कार्ड के लिए ही किया आवेदन

स्थायी श्रम प्रमाणन (PERM) आवेदनों के विश्लेषण के अनुसार, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) ने अमेरिकी वित्त वर्ष 2026 में ग्रीन कार्ड के लिए सिर्फ 2 आवेदन किए, जबकि 2025 में 513 और 2024 में 1804 आवेदन किए गए थे। वहीं, एचसीएल टेक ने 2026 में 59 आवेदन किए, जबकि 2025 में ये संख्या 323 थी। विप्रो ने 2024 में 257 और 2025 में 523 आवेदन किए थे। 2024 में किए गए 257 आवेदनों में से 169 खारिज कर दिए गए, जबकि कंपनी ने 88 आवेदन वापस ले लिए थे। इन्फोसिस ने 2024 में PERM के तहत 87 आवेदन किए थे। वर्ष 2025 और 2026 के लिए कंपनी के आवेदन संबंधी आंकड़े उपलब्ध नहीं थे।



पिछले साल जारी किए गए PERM सर्टिफिकेट में भारतीय कंपनियों की हिस्सेदारी 2% से भी कम

एचसीएल टेक के पूर्व सीईओ विनीत नायर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "पिछले साल जारी किए गए 1,17,849 PERM सर्टिफिकेट में भारतीय आईटी कंपनियों की हिस्सेदारी 1400 से भी कम थी। ये 2 प्रतिशत से कम है। इसलिए इसका प्रत्यक्ष प्रभाव शुरुआती अनुमान से कम हो सकता है।"

विदेशी कंपनियों ने कितने ग्रीन कार्ड के लिए किए आवेदन

PERM ट्रैकर वेबसाइट के अनुसार, कैपजेमिनी ने 2026 में 98 आवेदन किए, जबकि 2025 में 361 और 2024 में 300 आवेदन किए थे। कॉग्निजेंट ने 2024 में 1236 आवेदन किए थे।

कंपनी के 2025 और 2026 के आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। अमेरिका के श्रम विभाग की ओर से जारी स्थायी श्रम प्रमाणन किसी कंपनी को विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में स्थायी रूप से काम पर रखने की अनुमति देता है। वर्क वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे प्रोफेशनल्स के लिए PERM आवेदन ग्रीन कार्ड यानी स्थायी निवास हासिल करने की प्रक्रिया का पहला कदम माना जाता है।

एशियन पेंट्स का नया अभियान, त्योहारों और विवाह के लिए घर को दें नया रूप

रायपुर (एजेंसी)। एशियन पेंट्स ने ब्यूटीफुल होम्स पेंटिंग सर्विसेज के माध्यम से 'बेफिक्र उत्सव' अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य विवाह और त्योहारों जैसे खास अवसरों पर घर को नया रूप देने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। अभियान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित विजुअलाइजेशन सुविधा के जरिए ग्राहक पेंटिंग और दीवारों के सजावटी आवरणों को काम शुरू होने से पहले देख सकते हैं। सेवा के तहत रंगों का परामर्श, आधुनिक उपकरण, पेशेवर पेंटिंग और कार्य की निगरानी उपलब्ध है। कंपनी ने समय पर काम पूरा करने की गारंटी और 20 प्रतिशत मनी-बैक का वादा भी किया है। यह सेवा देश के 1,200 से अधिक शहरों और कस्बों में उपलब्ध है तथा अब तक 5.7 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को सेवाएं दे चुकी है। ग्राहक 80504 80504 पर संपर्क कर सकते हैं।

बस्तर के जैविक वनोपज को नई उड़ान : माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला एनपीओपी प्रमाणपत्र

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण, जैविक उत्पादों के संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में दंतेवाड़ा जिले ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत गठित माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड को वनोपज के लिए राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के अंतर्गत जैविक प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। यह प्रदेश में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित पहली किसान उत्पादक कंपनी है, जिसे वनोपज के लिए यह प्रमाणन मिला है। इस उपलब्धि से बस्तर के प्राकृतिक वनोपज को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की नई राह खुली है।

उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी से जुड़ी सभी महिलाओं और बिहान मिशन की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए स्थानीय संसाधनों, स्थानीय प्रतिभा और स्थानीय भागीदारी पर आधारित विकास मॉडल को आगे बढ़ा रही है।

इस मॉडल में महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग प्रमुख आधार हैं। माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला एनपीओपी प्रमाणपत्र इसी दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर की धरती प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है और यहां की महिलाएं पीढ़ियों से वनोपज के संग्रहण एवं संरक्षण का कार्य करती आ रही हैं। एनपीओपी प्रमाणन मिलने से उनके परिश्रम और पारंपरिक ज्ञान को औपचारिक पहचान मिलेगी। अब दंतेवाड़ा के प्रमाणित जैविक वनोपज को देश के बड़े बाजारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की संभावनाएं मजबूत होंगी।

इससे संग्राहकों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलने और वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होने की उम्मीद है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जैविक प्रमाणन केवल उत्पादों की गुणवत्ता की पहचान नहीं है, बल्कि यह बस्तर की महिलाओं की मेहनत और सामूहिक उद्यमशीलता को नई पहचान दिलाने का माध्यम भी है। वनोपज के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विपणन और निर्यात से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे युवाओं को अपने गांव और क्षेत्र में ही काम के अवसर मिलेंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। श्री शर्मा ने कहा कि शासन की मंशा है कि बस्तर के ऐसे गांवों, जहां परंपरागत रूप से रासायनिक उर्वरकों और रसायनों का उपयोग नहीं किया गया है, वहां के कृषि उत्पादों और वनोपज को निर्धारित मानकों के अनुरूप जैविक प्रमाणीकरण से जोड़ा जाए। इससे बस्तर की प्राकृतिक और पारंपरिक उत्पादन प्रणाली को विशिष्ट पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय समुदायों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य, बेहतर बाजार और स्थायी आजीविका प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'दण्डक ब्रांड' बस्तर की मेहनतकश महिलाओं, समृद्ध जैव विविधता और स्थानीय उत्पादों को एक साझा पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

1080 महिला शेयरधारक, 60 उत्पादक समूह और एक करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत वर्ष 2023 में गठित माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उनकी आजीविका बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है। वर्तमान में कंपनी से 1080 महिला शेयरधारक प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। इसके अतिरिक्त जिले के 60 उत्पादक समूहों से जुड़ी 2100 वनोपज संग्राहक दीदियां भी कंपनी की गतिविधियों से लाभान्वित हो रही हैं। ये महिलाएं स्थानीय स्तर पर वनोपज के संग्रहण और विपणन से जुड़ी हैं। कंपनी के माध्यम से इन महिलाओं को संगठित बाजार व्यवस्था, उत्पादों के मूल्य संवर्धन और बेहतर कीमत प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कंपनी ने पिछले दो वर्षों में एक करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार किया है। पिछले वर्ष लगभग 54 लाख रुपए के उत्पादों की बिक्री की गई थी, जबकि इस वर्ष अब तक 50 लाख रुपए से अधिक के वनोपज की खरीदी की जा चुकी है। एनपीओपी प्रमाणन मिलने के बाद इन उत्पादों के बेहतर मूल्य पर विपणन की उम्मीद है। कंपनी अब केवल वनोपज की खरीदी-बिक्री तक सीमित न रहकर मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और पैकेजिंग के माध्यम से अपने कारोबार का विस्तार कर रही है।

'दण्डक ब्रांड' से दंतेवाड़ा के स्थानीय उत्पादों को मिलेगी विशिष्ट पहचान

माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी ने अपने उत्पादों को विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए 'दण्डक ब्रांड' की शुरुआत की है। इसी क्रम में दंतेवाड़ा में कंपनी के विशेष बिक्री केंद्र का शुभारंभ किया गया है। इस केंद्र के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उत्पादित एवं संग्रहित विभिन्न खाद्य पदार्थ और वनोपज अब एक ही छत के नीचे उपभोक्ताओं को उपलब्ध हो सकेंगे। दण्डक ब्रांड को राज्य स्तर एवं देश-विदेश में छत्तीसगढ़ के स्थानीय छत्तीसकला ब्रांड के अंतर्गत विक्रय किया जाएगा। दण्डक ब्रांड के अंतर्गत नीम फूल, एचएमटी चावल, लाल चूड़ी चावल, बासमती चावल, अमचूर, इमली, महुआ, कोदो, कुटकी और रागी सहित विभिन्न स्थानीय उत्पादों को बाजार में उतारा गया है। इन उत्पादों का मूल्य संवर्धन कर आकर्षक पैकेजिंग के साथ बिक्री की व्यवस्था विकसित की जा रही है।

गंजपारा बाल आश्रम पहुंचा वक्ता मंच

किसी के चेहरे पर मुस्कान लाकर देखिए जिंदगी खूबसूरत लगेगी: दीपमाला पाण्डेय



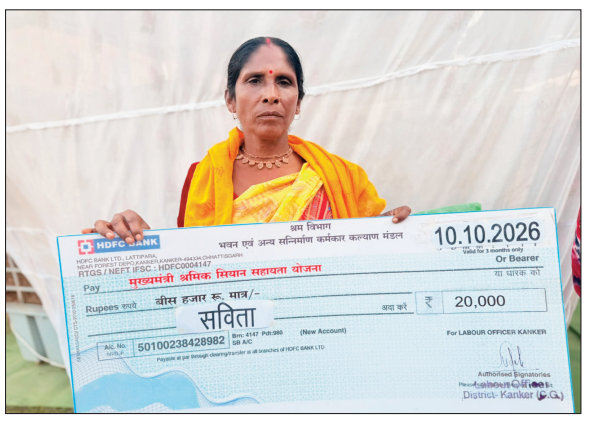
रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश की प्रतिष्ठित सामाजिक व साहित्यिक संस्था "वक्ता मंच " की टीम कल 10 अक्टूबर की शाम श्राद्ध पक्ष के अंतिम दिन रायपुर के गंजपारा स्थित आवासीय बालक छात्रावास (बाल आश्रम)पहुंची। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते द्वारा जानकारी दी गई है कि इस छात्रावास में निर्धन, अनाथ, बेसहारा, कमजोर व वंचित समुदाय से आए हुए बच्चों के आवास, चिकित्सा, भोजन, शिक्षा के प्रबंध के साथ ही उन्हें खेल, संगीत योग व अन्य विधाओं में भी प्रशिक्षित किया जाता है। इस अवसर पर स्व. मुकेश थिटे की स्मृति में उनके परिजनों द्वारा बच्चों को रात्रि का भोजन प्रदान किया गया। वक्ता मंच के संयोजक शुभम साहू के नेतृत्व में संपन्न इस कार्यक्रम में ज्योति शुक्ला,श्रीमती शिवानी मैत्रा,राजेंद्र रायपुरी,दीपमाला पाण्डेय,अमित कुमार पाण्डेय, पूर्णेश डडसेना,प्रशांत यदु,प्रभात यदु, ऋषभदेव साहू सहित अनेक प्रबुद्धजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान साहित्यकार दीपमाला पाण्डेय द्वारा 25 किलो सूखा राशन भी प्रदान किया गया। आश्रम के प्रबंधक संदीप तिर्की द्वारा इस संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी गई तथा टीम वक्ता मंच को परिसर का भ्रमण कराया गया। टीम वक्ता मंच को अपने मध्य पाकर हर बार की तरह इस बार भी बच्चों के चेहरों पर मुस्कान दिखाई पड़ी वही उपस्थित प्रबुद्धजनों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से हमें आत्मिक सुख प्राप्त होता है। वक्ता मंच की महिला इकाई की प्रभारी पूर्णेश डडसेना द्वारा बताया गया है कि कोई भी व्यक्ति अपने या अपने परिजनों से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियों को वक्ता मंच के माध्यम से समाज सापेक्ष कार्यों के जरिए मना सकता है 1 यह कार्य सेवा भावना के साथ ही समाज के वंचित व जरूरतमंद हिस्सों के साथ एकजुटता व्यक्त करने का माध्यम भी बन जाता है।

वक्ता मंच की संरक्षिका ज्योति शुक्ला द्वारा प्रस्तुत आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

वक्ता मंच के माध्यम से समाज सापेक्ष कार्यक्रमों को आयोजित करने व्हाट्सएप नं 9827928850 या 9165599995 पर संदेश प्रेषित कर संपर्क कर सकते है।

मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना से सविता सरकार को मिली 20 हजार की सहायता



उत्तर बस्तर कांकेर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महला में आयोजित सेवा सेतु शिविर में पी.व्ही. 107 निवासी श्रीमती सविता सरकार को मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 20 हजार की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। सांसद श्री भोजराज नाग, अंतागढ़ विधायक श्री विक्रम देव उसेंडी एवं कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने उन्हें चेक वितरित किया। श्रीमती सविता सरकार इस राशि का उपयोग अपने घर के जारूरी कामों में करेंगी। उन्होंने सहायता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन से मिली यह राशि उनके सपने को पूरा करने में सहायक होगी।

मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना छत्तीसगढ़ के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को 20 हजार की एकमुश्त सहायता दी जाती है। यह राशि श्रमिकों को जीवन के इस पड़ाव पर आर्थिक संबल प्रदान करने में सहायक है। सेवा सेतु शिविर के माध्यम से सविता सरकार तक योजना का लाभ पहुंचना शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने की पहल को दर्शाता है।

सेवा संकल्प अभियान: 'निदान-03' शिविर से संवर रही दिव्यांगजनों की जिंदगी

रायपुर ■ दैनन्दिनी



सेवा संकल्प अभियान के तहत धमतरी जिले में आयोजित तीन दिवसीय 'निदान-03' विशेष शिविर दिव्यांगजनों के जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और भगवान महावीर दिव्यांग सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना, उनकी दैनिक गतिविधियों को सुगम करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। नगरी और धमतरी में आयोजित इन शिविरों के शुरुआती दो दिनों में कुल 632 दिव्यांगजनों ने हिस्सा लिया, जिन्हें एक ही छत के नीचे कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण और शासकीय योजनाओं का पूरा संबल प्रदान किया गया।

शिविर के पहले दिन 8 अक्टूबर को नगरी विकासखंड के श्रृंगी ऋषि हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में 172 दिव्यांगजन शामिल हुए। यहाँ पात्र हितग्राहियों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, बैसाखी, वॉकिंग स्टिक और वॉकर वितरित किए गए। साथ ही, नौ दिव्यांगजनों के कृत्रिम हाथ-पैर तैयार करने के लिए आवश्यक माप और प्रक्रिया पूरी की गई, जबकि 18 दिव्यांगता प्रमाण पत्र और 44 यूडीआईडी कार्ड भी प्रदान किए गए।

श्रृखला के दूसरे दिन 10 अक्टूबर को धमतरी के इंडोर स्टेडियम में भव्य शिविर का आयोजन किया गया, जहाँ 460 दिव्यांगजन पहुँचे और इनमें से 359 हितग्राहियों को विभिन्न उपकरणों व सुविधाओं से लाभान्वित किया गया।

छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया और महापौर रामू रोहरा की उपस्थिति में संपन्न इस कार्यक्रम में कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, श्रवण यंत्र, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, स्मार्ट केन और वॉकर जैसी आधुनिक सामग्रियां बड़े पैमाने पर बांटी गईं। इसके अलावा, शिविर में दिव्यांगजनों के बस पास, दिव्यांगता प्रमाण पत्र और एम. आधार कार्ड जैसी आवश्यक सुविधाएँ भी तुरंत उपलब्ध कराई गईं, जिससे उन्हें अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े।

सेवा संकल्प अभियान : महेश नाग का कच्चे शेड से शुरू हुआ सफर अब पक्के मकान और सफल डेयरी व्यवसाय तक पहुंचा

रायपुर ■ दैनन्दिनी



बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत उलनार निवासी महेश नाग की कहानी इस बात का जीवंत प्रमाण है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही मार्गदर्शन मिले और व्यक्ति में कड़ी मेहनत का जज्बा हो, तो जीवन की दिशा पूरी तरह बदल सकती है। पूर्व में केवल खेती और मजदूरी पर आश्रित रहने वाले महेश के पास आजीविका के साधन के रूप में कुछ दुधारू मवेशी जरूर थे, लेकिन उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती पशुओं के सुरक्षित आवास की थी। पक्का शेड न होने के कारण मवेशियों को कच्चे और जर्जर शेड में रखना पड़ता था, जहां अत्यधिक ठंड, तेज धूप और मूसलाधार बारिश के चलते वे लगातार बीमार पड़ जाते थे। पशुओं के अस्वस्थ रहने से दूध उत्पादन में भारी गिरावट आ गई थी, जिसके कारण महेश को पशुपालन से कोई ठोस आर्थिक संबल नहीं मिल पा रहा था।

परिवार की इस गंभीर समस्या और संघर्ष को देखते हुए ग्राम पंचायत उलनार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में उनकी निजी जमीन पर दुधारू पशु शेड निर्माण की स्वीकृति दी गई। कुल एक लाख 49 हजार रुपये की स्वीकृत लागत से पंचायत के तकनीकी दिशा-निर्देशों के अनुरूप हवादार, पक्के फर्श और सर्वसुविधायुक्त शेड का निर्माण 16 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक पूरा कराया गया। अनुकूल और सुरक्षित वातावरण मिलते ही मवेशियों की सेहत सुधरने लगी, जिससे दूध उत्पादन में उल्लेखनीय इजाफा दर्ज हुआ।

उत्पादन में हुई इस बढ़ोतरी ने महेश के आत्मविश्वास को नई उड़ान दी और उन्होंने इसे एक सुव्यवस्थित व्यवसाय में तब्दील कर दिया। अब वे प्रतिदिन सुबह और शाम जगदलपुर के आसपास के ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खुद घर-घर जाकर शुद्ध व ताजा दूध का वितरण करते हैं। उनकी इस निष्ठा, समयबद्धता और गुणवत्ता के कारण ग्राहकों के बीच उनकी एक विश्वसनीय पहचान बन चुकी है।

इस निरंतर आमदनी ने उनके जीवन में एक और बड़ा बदलाव ला दिया। मनरेगा के तहत बने पशु शेड से प्राप्त आय और प्रधानमंत्री आवास योजना से मिली वित्तीय सहायता के सफल संयोजन से महेश अपने परिवार के लिए एक नया और पहले से काफी बड़ा पक्का मकान बनाने में सक्षम हो पाए हैं। योजनाओं के इस प्रभावी तालमेल को अपनी सफलता का आधार बताते हुए महेश नाग कहते हैं कि मनरेगा से बना यह पशु शेड उनके परिवार के लिए वरदान साबित हुआ है। पहले बीमारियों से नुकसान झेलने वाले महेश अब खुद घूम-घूमकर दूध बांटते हुए मजबूत आय अर्जित कर रहे हैं और पक्के मकान के निर्माण के साथ अपने परिवार को सुरक्षित भविष्य दे पा रहे हैं, जिसके लिए वे प्रशासन व दोनों जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। आज महेश नाग की यह यात्रा क्षेत्र के अन्य छोटे किसानों और पशुपालकों के लिए स्वावलंबन की सशक्त प्रेरणा बन गई है।

सेवा संकल्प से संवरती ज़िंदगी : अब नारायणपुर के दूरस्थ अबुझमाड़ (कुतुल) के नयापारा में भी पहुंचेगा शुद्ध पेयजल

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ सरकार के 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत राज्य के अंतिम छोर पर बसे वनांचल और दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों तक मूलभूत सुविधाओं का विस्तार अब ज़मीनी हक़ीकत बनता जा रहा है। इसी कड़ी में नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र ग्राम परपा (कुतुल) के नयापारा में नलकूप खनन का कार्य तेज़ी से प्रारंभ कर दिया गया है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित आवागमन के बावजूद शुरू की गई इस पहल से स्थानीय ग्रामीणों को जल्द ही घर के समीप शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की सौगात मिलने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में विकास की एक नई किरण जगी है।

वनांचल के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाना केवल एक बुनियादी सुविधा का विस्तार नहीं है, बल्कि यह ग्रामीणों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सीधे तौर पर बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कुतुल जैसे दुर्गम क्षेत्रों में जहाँ भौगोलिक विसंगतियाँ और आवागमन की दुश्वारियाँ विकास कार्यों के क्रियान्वयन को बेहद चुनौतीपूर्ण बना देती हैं, वहाँ प्रशासन की यह पहल स्थानीय लोगों के जीवन को सुगम बनाने का सशक्त माध्यम बन रही है। पारंपरिक स्रोतों से पानी ढोने की मजबूरी झेल रहे परिवारों के लिए यह नलकूप खनन किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा।

इस महत्वपूर्ण पहल के धरातल पर उतरने से ग्रामीण महिलाओं और परिवारों को अपनी दैनिक ज़रूरतों के लिए पानी जुटाने की लंबी और श्रमसाध्य मशक्कत से राहत मिलेगी। घर के नज़दीक ही स्वच्छ जल उपलब्ध होने से न केवल उनका बहुमूल्य समय बचेगा, बल्कि वे अपनी ऊर्जा का उपयोग अन्य रचनात्मक व आजीविका संबंधी कार्यों में कर सकेंगे। इसके साथ ही, सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों के खतरे को कम करने तथा ग्रामीण आंचल में बेहतर स्वास्थ्य संबंधी आदतों को बढ़ावा देने में भी बड़ी मदद मिलेगी। नारायणपुर जिले के इन दूरस्थ अंचलों में जल स्रोतों का विकास और उनका सुचारू रखरखाव इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि राज्य शासन हर नागरिक तक बुनियादी सुविधाएँ पहुँचाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। नलकूप खनन का कार्य पूरा होने के बाद पानी की गुणवत्ता की विशेष रूप से जाँच की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ग्रामीणों को पूरी तरह शुद्ध और सुरक्षित पेयजल प्राप्त हो।

बरसात के बाद निर्माण कार्यों को मिली रफ्तार, गुणवत्ता और समय-सीमा पर जोर

पीडब्ल्यूडी सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने सड़कों, पुलों और भवनों का किया निरीक्षण, अधिकारियों और ठेकेदारों को समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बरसात के बाद सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की पूरी तैयारी है। लोक निर्माण विभाग ने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। काम की प्रगति अब केवल दफ्तरों की रिपोर्ट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वरिष्ठ अधिकारी खुद मैदान में उतरकर निर्माण की वास्तविक स्थिति परखेंगे। कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ औचक निरीक्षण से भी गुणवत्ता और प्रगति पर नजर रखी जाएगी। इसी कड़ी में लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने गरियाबंद जिले का दौरा कर सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण में आ रही बाधाओं की जानकारी ली और कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर निर्माणाधीन परियोजनाओं की जमीनी स्थिति देखी। उन्होंने फिंगेश्वर विकासखंड में कोपरा-पोखरा मार्ग के 26.20 किलोमीटर लंबे मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस परियोजना में पुल-पुलियों के निर्माण कार्य भी शामिल हैं। उन्होंने राजिम में नवीन मेला स्थल चौबेबांधा से लक्ष्मण झूला तक 3.50 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग के निर्माण की प्रगति भी देखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली और निर्माण में गुणवत्ता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सड़क परियोजनाओं के साथ सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद में निर्माणाधीन शासकीय भवनों का भी जायजा लिया। उन्होंने व्यवहार न्यायालय में न्यायिक अधिकारियों



के लिए बनाए जा रहे दो डी-टाइप आवासगृहों, जिला परिवहन कार्यालय भवन तथा 40 जीएडी आवासगृहों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सचिव श्री बंसल गरियाबंद जिले के बिंद्रानवागढ़ क्षेत्र के दुर्गम इलाकों में भी पहुंचे। उन्होंने कसाबाय-पतोरा दादर मार्ग के आरडी 135 में चचंगी नाला पर निर्मित पुल एवं पहुंच मार्ग का निरीक्षण किया। यह कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने कसाबाय-सातधार मार्ग में हलफली नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित इन परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। मैदानी निरीक्षण के बाद सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की बैठक ली। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए काम में आ रही समस्याओं और बाधाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों को गति देने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। बरसात के बाद निर्माण कार्यों में तेजी लाने विभागीय अमले को सक्रियता से काम करना होगा। कार्यों की सतत निगरानी और वरिष्ठ अधिकारियों के मैदानी निरीक्षण से निर्माण की वास्तविक प्रगति पर नजर रखी जाएगी।

सचिव श्री बंसल ने लोक निर्माण विभाग के संभागीय कार्यालय और कार्यालय परिसर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय में स्वच्छता और रखरखाव पर विशेष ध्यान देने तथा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री व्ही. के. भतपहरी, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, अनुविभागीय अधिकारी एवं उप अभियंतागण उपस्थित थे।



हॉकी अकादमी में पहुंचीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरलीन देओल

मेहनत और आत्मविश्वास से हासिल करें लक्ष्य : हरलीन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हरलीन देओल ने रविवार को खेल एवं युवा कल्याण विभाग की रायपुर आवासीय हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का मंत्र दिया। उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव की पहल तथा छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में हरलीन ने अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से मिलकर अकादमी के खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। हरलीन देओल ने खिलाड़ियों से कहा कि वे अकादमी में उपलब्ध खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का पूरा लाभ उठाएं। बड़े लक्ष्य निर्धारित करें और नियमित अभ्यास के साथ अपने खेल में सुधार करते रहें। उन्होंने कहा, "आप मेहनत कीजिए, अपने लक्ष्य के लिए पूरी लगन से प्रयास कीजिए। भगवान भी आपकी मदद करेंगे। अपने ऊपर विश्वास रखिए और देश के लिए खेलने का सपना जरूर देखिए।"

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता पाने के लिए प्रतिभा के साथ धैर्य, कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास जरूरी है। खिलाड़ियों को अपनी कमियों को पहचानकर उनमें सुधार करना चाहिए तथा असफलताओं से सीखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। क्रिकेट और हॉकी अलग-अलग खेल हैं, लेकिन दोनों में फिटनेस, मानसिक मजबूती, टीम भावना और दबाव में बेहतर प्रदर्शन की क्षमता महत्वपूर्ण है। अकादमी में प्रदेश के दूर-दराज के जनजातीय क्षेत्रों से आए खिलाड़ी भी प्रशिक्षण ले रहे हैं। हरलीन ने उन्हें प्रेरित करते हुए कहा कि संसाधनों की सीमाएं सपनों की राह में बाधा नहीं बननी चाहिए। मेहनत और आत्मविश्वास से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। मुलाकात के दौरान

बॉक्स। खिलाड़ियों को मिला आगे बढ़ने का संदेश

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की पहल और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को सफल अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के अनुभवों से प्रेरित करना था। ऐसे संवाद खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने, आत्मविश्वास विकसित करने और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रोत्साहित करने में सहायक हैं।



खिलाड़ियों ने उनसे संवाद किया और व्यक्तिगत फोटो भी खिंचवाए।

कार्यक्रम में खेल अधिकारी शिवराज साहू, हॉकी प्रशिक्षक रश्मि तिर्की, सॉफ्टबॉल प्रशिक्षक टी.एन. रेड्डी सहित विभाग के अधिकारी और प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

बिलासपुर और भिलाई में नवम्बर से 20-20 ई-बसों के संचालन की तैयारी

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की मौजूदगी में हुआ कंसेशन एग्रीमेंट

रायपुर ■ दैनन्दिनी

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई और कोरबा में 240 इलेक्ट्रिक बसों को सड़कों पर उतारने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में आज चारों नगर निगमों और चयनित एजेंसी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। इन चारों शहरों ने ई-बस संचालन शुरू करने की दिशा में आज बड़ा कदम बढ़ाया है। विभाग आगामी नवम्बर में बिलासपुर और भिलाई में 20-20 ई-बसों का संचालन प्रारंभ करने की तैयारी में है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नवा रायपुर में अपने निवास कार्यालय में आयोजित कंसेशन एग्रीमेंट हस्ताक्षर कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा स्वच्छ, हरित और विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। बढ़ते शहरीकरण के साथ यातायात, वायु प्रदूषण और ईंधन की खपत जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रिक बसों से ऊर्जा दक्षता



बढ़ेगी, पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता और ध्वनि प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, दर्शनीय स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों तक सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना जरूरी है। ई-बस सेवा से नागरिकों को बेहतर परिवहन विकल्प मिलेगा और शहरों को आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी। इसके लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है।

योजना के प्रथम चरण में रायपुर में 100, दुर्ग-भिलाई में 50, बिलासपुर में 50 और कोरबा में 40 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार नवम्बर-2026 तक भिलाई और बिलासपुर में प्रतीकात्मक रूप से 20-20 बसों का संचालन शुरू करने की योजना है।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक ई-बस में छह कैमरे लगाने का प्रावधान है। मोबाइल एप से बसों के रूट की जानकारी भी मिल सकेगी। इलेक्ट्रिक बसों से कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद मिलेगी। वहीं, चार्जिंग स्टेशन, रखरखाव केंद्र और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने कार्यक्रम में योजना के उद्देश्यों और संचालन की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शहरों में बढ़ती आबादी और परिवहन की जरूरतों को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण आवश्यक है। योजना की सफलता के लिए चार्जिंग व्यवस्था, डिपो, बस-स्टॉप और रखरखाव केंद्र सहित आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास, विभागीय समन्वय और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करना जरूरी है। उन्होंने नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप परिवहन सुविधाएं विकसित करने तथा संचालन की तैयारियों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया।

भारत को बांग्लादेश या नेपाल जैसा बनाने की कोशिश: ओपी चौधरी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी दिल्ली की सड़कों पर CEC ज्ञानेश कुमार को हटाए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन आज भी जारी है. इन प्रदर्शन की चर्चा अब छत्तीसगढ़ तक पहुंच चुकी है. वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इस विरोध प्रदर्शन से भारत की लोकतंत्र पर खतरा बताया है. उनका कहना है कि भारत को बांग्लादेश या नेपाल जैसा बनाने की कोशिश की जा रही है. वहीं उन्होंने विरोध में शामिल होने वाले राजनीतिक दलों के साथ सीजेपी को भी आड़े हाथों लिया है.



दिल्ली में सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन को लेकर मंत्री ओपी चौधरी ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि CJP, आम आदमी पार्टी या चाहे राहुल गांधी हों, विदेशी हथकंडों के कठपुतली बनने से उन्हें बाज आना चाहिए. आज विदेशी ताकतों के इशारों पर अराजकता फैलाने का प्रयत्न किया जा रहा है. भारत को बांग्लादेश या नेपाल जैसा बनाने की कोशिश हो रही है. लेकिन भारत की जनता सभी चीज को बहुत अच्छी तरह समझती है. मंत्री ओपी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर स्पष्ट किया कि एसआईआर में उन्हीं का नाम कटेगा जो गलत हैं, जो सहीं है उन्हें नाम जुड़वाने के लिए बार-बार अवसर दिए जाते हैं.कांग्रेस पर मंत्री ओपी चौधरी ने निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी की माता इटली से भारत आई थीं, तब भारत की नागरिक बनने से पहले ही वह भारत की वोटर बन गई थीं। क्या ऐसे ही घुसपैठियों को वोटर बनाना, उन्हें मतदाता सूची में रखना या मृत मतदाताओं को सूची में रखना चाहते हैं. यह किसी भी तरह से जायज नहीं हो सकता. उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब एसआईआर हुआ है, कांग्रेस कार्यकाल में भी एसआईआर किया गया. यह एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है. जिसमें निश्चित रूप से मृत या घुसपैठ करके वोटर बनने वालों को लिस्ट से बाहर करना चाहिए. कोई घुसपैठिया वोट दे यह तो किसी भी भारत के नागरिक को स्वीकार नहीं है.

दिल्ली में सीजेपी और अन्य विपक्षी राजनीतिक दलों के प्रदर्शन को नेपाल और बांग्लादेश से जोड़कर देखा जा रहा है. ऐसा इसलिए क्योंकि दोनों भारत के पड़ोसी देश हैं, जहां बड़े प्रोटेस्ट के कारण सरकार बदल गईं. बांग्लादेश में शेख हसिना सरकार के खिलाफ बड़ा छात्र आंदोलन छिड़ा था, जिसके बाद वहां 5 अगस्त 2024 को तख्तापलट हो गया. इसी तरह नेपाल में भी जेन-जी का 2025 के सितंबर महीने में बड़ा प्रदर्शन हुआ. फलस्वरूप 9 सितंबर को प्रधानमंत्री पद से केपी ओली को इस्तीफा देना पड़ा.

रायपुर में एटीएम कार्ड बदलकर 5 हजार की ठगी

रायपुर। राजधानी में धोखाधड़ी और चोरी की अलग-अलग घटनाओं में अज्ञात आरोपियों ने एटीएम कार्ड बदलकर रकम निकाल ली, जबकि शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों से छह दोपहिया वाहन चोरी हो गए। वहीं डीडी नगर क्षेत्र में सूने मकान का ताला तोड़कर चांदी के जेवर और नकदी चोरी कर ली गई। पुलिस ने संबंधित मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीडी नगर थाना क्षेत्र में एसबीआई एटीएम, रिंग रोड के पास 3 अक्टूबर को प्रणय पुष्कर राजवाड़े पैसे निकालने पहुंचे थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने मदद करने के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदल दिया और खाते से 5 हजार रुपये निकालकर धोखाधड़ी की। पुलिस ने 9 अक्टूबर को मामला दर्ज किया।

अब जनजातीय कार्य विभाग के नाम से जाना जाएगा आदिम जाति विकास विभाग

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में हुई कैबिनेट की बैठक में दो अहम निर्णय लिए गए. इनमें से पहले आरक्षक के रिक्त 36 पदों पर पूर्व अग्निवीरों की भर्ती के अलावा 'आदिम जाति विकास विभाग' का नाम बदलकर 'जनजातीय कार्य विभाग' करने की सहमति प्रदान की गई. साय कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद ने पूर्व अग्निवीर सैनिकों के अनुभव और दक्षता का लाभ राज्य की सेवाओं में लेने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिया है.इसके तहत पूर्व अग्निवीरों के लिए गृह विभाग में आरक्षक के कुल 36 पदों पर उपलब्ध रिक्तियों के विरुद्ध भर्ती की अनुमति प्रदान की गई है. उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा पूर्व अग्निवीरों के लिए इन पदों पर 10 प्रतिशत श्रेणीवार आरक्षण का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है

इसी तरह मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है. इसके तहत 'आदिम जाति विकास विभाग' का नाम बदलकर 'जनजातीय कार्य विभाग' किया जाएगा.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में फैसलों की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की विशोष चर्चा की. उन्होंने कहा कि सबसे पहले बात गुजरात की, जहां से सुशासन के नए प्रयोगों की शुरुआत हुई.

मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए शासन में टेक्नोलॉजी, जनसंवाद और परिणाम-आधारित कार्यप्रणाली के कई प्रयोग किए, जिन्हें आगे चलकर पूरे देश में अपनाया गया. वर्ष 2000 में बने हमारे छत्तीसगढ़ ने भी अपनी शुरुआती विकास यात्रा में 'गुजरात मॉडल' के सफल अनुभवों से सीखा और तेज़ी से आगे बढ़ा. संवाद और 'चिंतन शिविर' की परंपरा भी यहां लागू हुई.

इसी क्रम में पीएम गतिशक्ति ने परियोजनाओं की प्लानिंग और निगरानी को टेक्नोलॉसे जोड़ा है. हमारे राज्य के लगभग 20 हजार गांवों में से करीब 14 हजार गांव जियो-रेफरेंस्ड किए जा चुके हैं.

निवेश का अनुकूल माहौल बनाने में भी हमें प्रधानमंत्री की प्रेरणा मिली-मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वाइब्रेंट गुजरात' ने राज्यों को अपनी संभावनाएं दुनिया के सामने रखने की प्रेरणा दी, और इसी से हमने निवेश आकर्षित करने के लिए संरचनात्मक नीतियां लागू कीं. 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026' से औद्योगिक अनुमतियां सरल हुई हैं और तय समय-सीमा में निर्णय न होने पर डीम्ड अप्रूवल, यानी स्वतः स्वीकृति का प्रावधान किया गया है. वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम से भी प्रक्रिया आसान बनी है. दो जनविश्वास अधिनियमों के माध्यम से 279 गैर-जरूरी प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 24×7 संचालन की अनुमति दी गई. कुल मिलाकर 450 से अधिक प्रशासनिक सुधार किए गए हैं. इन प्रयासों का नतीजा है कि राज्य को 8.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 1.60 लाख से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है.



टेक्नोलॉने शासन को आम नागरिक के और करीब पहुंचाया है-विष्णु देव साय ने कहा कि जनधन-आधार-मोबाइल, यानी जैम की त्रयी से देश में 60 करोड़ लोग बैंकिंग से जुड़े, जो दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन मॉडल है. डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, यानी डीबीटी से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और शत-प्रतिशत सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में पहुंची. यूपीआई ने छोटे व्यापारियों और आम नागरिकों तक डिजिटल भुगतान की सुविधा पहुंचाई. हमारे किसान भाइयों के लिए एग्रीस्टैक के तहत 42 लाख फार्मर आईडी बन चुकी हैं, और ड्रोन आधारित स्वामित्व योजना से 7.51 लाख ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के अधिकार अभिलेख मिले हैं.

गरीब परिवारों को सम्मान के साथ जीवन जीने का भरोसा मिला-प्रधानमंत्री की नीतियों के केंद्र में सदैव गरीब कल्याण रहा है, और छत्तीसगढ़ में इसका असर साफ दिखाई देता है. प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में 20.65 लाख और शहरी क्षेत्रों में 2.25 लाख पक्के आवास पूर्ण हुए हैं. पिछले पौने तीन वर्षों में ही 11.78 लाख आवास बने हैं, और निर्माण की गति में हमारा राज्य देश में प्रथम स्थान पर है.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत 2,437 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता से 36 लाख घरेलू और 14,970 सामुदायिक शौचालय बने, और 18,653 गांव ओडीएफ प्लस घोषित हुए. उज्ज्वला योजना से 39.73 लाख बहनों को निःशुल्क गैस कनेक्शन मिले. आयुष्मान भारत में लगभग 2.49 करोड़, यानी करीब 92 प्रतिशत पात्र हितग्राहियों के कार्ड बने हैं, और 51.17 लाख हितग्राहियों को लगभग 11,877 करोड़ रुपये का निःशुल्क उपचार मिला है. 70 वर्ष से अधिक आयु के 6.21 लाख वरिष्ठ नागरिकों को 'वय-वंदना' कार्ड भी जारी किए जा चुके हैं.

संकट की घड़ी में भी देश को मजबूत और संवेदनशील नेतृत्व मिला-कोरोना महामारी से लेकर वैश्विक ऊर्जा संकट तक, भारत ने कठिन परिस्थितियों का आत्मविश्वास से सामना किया. हमने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियानों में से एक चलाया, और 'वैक्सीन मैत्री' के जरिए 100 से अधिक देशों को टीके उपलब्ध कराकर 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को व्यवहार में उतारा. कोरोना काल में शुरू हुई निःशुल्क खाद्यान्न व्यवस्था ने कमजोर परिवारों को बड़ी राहत दी. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना से आज छत्तीसगढ़ के 73 लाख परिवारों, यानी 1.99 करोड़ हितग्राहियों को निःशुल्क राशन मिल रहा है. केंद्र की इस योजना से राज्य को लगभग 5,600 करोड़ रुपये की सब्सिडी भी प्राप्त हुई है.

हमारे अन्नदाता किसान भाइयों को भी बड़ा आर्थिक संबल मिला-साय ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि का सीधा लाभ छत्तीसगढ़ के 26.57 लाख किसानों के खातों में पहुंचा है. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 5,064 करोड़ रुपये का केंद्रांश प्रीमियम प्राप्त हुआ है. वर्ष 2015 की तुलना में पंजीकृत किसान 13.17 लाख से बढ़कर 27.53 लाख और पंजीकृत रकबा 21.26 लाख से बढ़कर 33 लाख हेक्टेयर हो गया है.

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com